सालार जंग संग्रहालय
हैदराबाद

वार्षिक रिपोर्ट

और परीक्षित लेखा वर्ष 2019-2020 के लिए

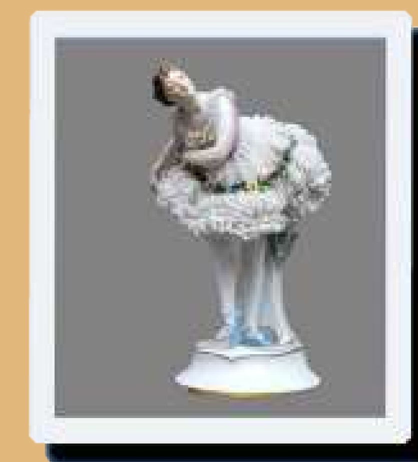

सालार जंग संग्रहालय
हैदराबाद

विषय सूची

वार्षिक रिपोर्ट

क्रम सं.		पृष्ठ सं.
01.	संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और क्रम विकास	02
02.	संस्थापकों का इतिहास	03
03.	संग्रहालय की वर्तमान स्थिति	03
04.	दीर्घाएं, भंडार, पांडुलिपियां, उद्देश्य, क्रियाकलाप, दर्शक सुविधाएं	04-11
05.	संग्रहालय के क्रियाकलाप	12-13
06.	सालार जंग संग्रहालय बोर्ड और उप-समितियां	14-18
07.	वित्तीय स्थिति एक नजर में	19
08.	गतिविधियां	
	(I) अस्थाई प्रदर्शनियां	20-26
	(II) कार्यशाला / संगोष्ठी / विशेष वार्ता / व्याख्यान	27
09	कार्यक्रम	28-29
	स्वच्छ भारत	30
10	संग्रहालय गतिविधियां	31
	रसायनिक संरक्षण प्रयोगशाला	31
	कलाकृतियों का भौतिक सत्यापन	31
11	विकास कार्य	
	(i) दीर्घाओं का पुनर्गठन	32
	(ii) विस्तार	32
	(क) अंतर क्रियाशीलता केंद्र	32
	(ख) ऊर्जा बचत उपाय	32
12	डिजिटाईजेशन	32
	वार्षिक लेखा	34-60
.	लेखा परीक्षा रिपोर्ट	61-64

सालार जंग संग्रहालय

संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और विकास

हैदराबाद का सालार जंग संग्रहालय विश्व के यूरोपीय, एशियाई और सुदूरपूर्व देशों के विभिन्न कलात्मक उपलब्धियों का भंडार है. इस संग्रहालय के बड़े भाग को नवाब मीर युसुफ अली खान के द्वारा संग्रहण किया गया, जिन्हें सालार जंग-III के रूप में जाना जाता है. इसमें कुछ दुर्लभ वस्तुएं उनके दादा नवाब मीर तुराब अली खान, सालार जंग-I से विरासत में मिली. एक मनमोहक और संग्रहालय की प्रतिष्ठित संपदाओं में से एक संगमरमर की मूर्ति "बुरकापोश रेबेका" को सालार जंग-I द्वारा रोम में सन् 1876 में खरीदा गया था. परिवार की इसी परंपरा और कलात्मक वस्तुओं की प्राप्ति करने का निजी उत्साह तीन पीढ़ियों तक जारी रहा. सालार जंग-III ने 1914 में निज़ाम के प्रधान मंत्री के पद से मुक्त होने के बाद भी जारी रहा और अपनी मृत्यु होने तक उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन संग्रह, कला व साहित्य के खज़ानें को बढ़ाने में लगा दिया. चालीस वर्षों से अधिक समय तक कीमती और दुर्लभ कलाकृतियों को संग्रह करने की उनके इसी प्यार की चेष्टा ही है, जो सालार जंग संग्रहालय में शोभायमान हैं. सालार जंग-III की मृत्यु के बाद, किसी सीधे उत्तराधिकारी के अभाव में, अमूल्य कलात्मक वस्तुओं और उनके पुस्तकालय के विस्तृत संग्रहालय को सालार जंग-III के पुश्तैनी महल में रखा गया था, नवाब के संग्रह को संग्रहालय का रूप देने के लिए श्री एम.के. वेलोदी, हैदराबाद राज्य के तत्कालीन मुख्य सिविल प्रशासक के मन में विचार उत्पन्न हुआ. उन्होंने सालार जंग-III के विभिन्न महलों में बिखरे पड़े कला-कृतियों और कुतूहल पैदा करनेवाले वस्तुओं को लेकर संग्रहालय बनाने के लिए ख्याति प्राप्त कला समीक्षक डॉ. जेम्स कजिन्स से संपर्क किया.

डॉ. कजिन्स ने सुझाव दिया कि इस कार्य के लिए श्री जी. वेंकटाचलम कला समीक्षक की सेवाएं ली जाए. श्री वेंकटाचलम के समक्ष विकट समस्या थी कि विशाल संग्रहण में से किसे चुनें, जो संग्रहालय के लिए संगत था. प्रस्तावित संग्रहालय का स्थान "दीवान देवड़ी" ही था, जो सालार जंग का पुश्तैनी महल था, जहां जनाब मीर युसूफ अली खान ने अपना पूरा जीवन बिताया. इस तरह से नवजात संग्रहालय का नियंत्रण और पर्यवेक्षण सालार जंग संपदा समिति के हाथ में ही रही. इसके बाद 16 दिसंबर, 1951 को उनके नाम की निरंतरता को कायम रखने की कल्पना से दीवान देवड़ी में सालार जंग संग्रहालय का उद्गम हुआ, जिसे भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री, पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा इसे जनता के लिए खोल दिया गया था. इस प्रकार वर्तमान सालार जंग संग्रहालय अस्तित्व में आया. यद्यपि संग्रहालय का प्रशासन वर्ष 1958 तक सालार जंग संपदा समिति के हाथों में ही था. सालार जंग के वंशज उच्च न्यायालय की 26 दिसंबर, 1958 की एक डिक्री के आधार पर वस्तुओं को भारत सरकार को दान देने के लिए एक समझौते पर उदारता से सहमत हुए. उसके बाद 1961 तक संग्रहालय का प्रशासन, भारत सरकार के अधीन रहा.

वर्ष 1961 में संसद के अधिनियम 1961 की सं.26 द्वारा सालार जंग पुस्तकालय के साथ-साथ सालार जंग संग्रहालय को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान के रूप में घोषित किया गया और इसके प्रशासन एवं अन्य संबंधित मामलों को सांविधिक निकाय को सौंपा गया है, जिसे “सालार जंग संग्रहालय बोर्ड” कहा जाता है.

भारत सरकार को संपदा सौंपते समय सालार जंग संपदा समिति द्वारा देखभाल किये गये वस्तुओं को विधिवत सूचीबद्ध किया गया. रजिस्टरों में सूचीबद्ध संग्रहण की वस्तुसूची उर्दु भाषा में लिखी गई थी, जो इसका मौलिक रिकार्ड है. वर्ष 1963 और 1964 के दौरान पूर्व रजिस्टरों के आधार पर अंग्रेज़ी में एक 109 जोडियों की वस्तुसूची - रजिस्टर तैयार किया गया, जिसमें वस्तुओं का ब्यौरे-वार विवरण, उनके नाप और उनके संबंधित चित्रों सहित दर्शाया गया है. 1976 में अंग्रेजी में एक नए रजिस्टर की जोडी बनाई गई, जिसे मास्टर लेड्जर्स/सामान्य आवाप्ति रजिस्टर कहा जाता है, जो वस्तुसूची रजिस्टरों का विकसित रूप है.

सालार जंग परिवार का पीढ़ियों तक की विद्वत्ता, शिक्षण और राजमर्मज्ञता के क्षेत्र में यशस्वी इतिहास रहा है और इन दुर्लभ कलाकृतियों, पांडुलिपियों तथा पुस्तकों के विशालतम संकलन में बहुत बड़ा योगदान रहा है, जिन्हें अब संग्रहालय में रखा गया है.

नवाब मीर युसुफ़ अली खान बहादूर सालार जंग - III

नवाब मीर युसुफ़ अली खान का कलाकृतियों के प्रति उत्साहवर्धक प्रेम जग जाहिर था. उनका महल ऐसे व्यक्तियों से भरा होता था, जिनके पास बेचने लायक कुछ न कुछ वस्तुएं होती थीं. इस प्रकार उनके चयन के लिए पांडुलिपियां, मुद्रित पुस्तकें, लघु चित्रकारियां, सुलेख, फलक और सभी प्रकार की कलाकृतियां उनके यहां लाई जाती थीं. भारत के विभिन्न भागों से व्यापारी उनके यहां अक्सर आया करते थे. उन्हें कला की दुर्लभ वस्तुएं लुभाती थीं. कई वर्षों तक कलाकृतियों और पुरातनकालीन वस्तुओं को संकलित करते रहे, जिन्हें वे अपने महलों के कई कक्षों में रखते थे. कलाकृतियों के प्रति उनका प्रेम उन्हें यूरोप और मध्य पूर्व की ओर ले गया. विदेशों में उनके एजेंट उन्हें विख्यात कलाकृति व्यापारियों से सूची पत्र भेजा करते थे. वे अपने महल में बैठकर उन सूची पत्रों को ध्यान से पढ़ते थे और कभी-कभी केबल द्वारा खरीददारी करते थे. उनका अंतिम परेषित माल हाथीदंत कुर्सियों का संच है, जिनके बारे में कहा जाता है कि मैसूर के टिपू सुलतान का है. यह खेद का विषय है कि, वे इन कुर्सियों को नहीं देख पाए, क्योंकि यह परेषण उनके मृत्यु के बाद प्राप्त हुआ. कलाकृतियों, पांडुलिपियों और पुस्तकों के संकलन के अलावा वे कवियों, लेखकों और कलाकारों को आश्रय देते थे. साथ ही साथ वे साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करते थे. वे अपने परिवार के सदस्यों पर लिखी गई कई पुस्तकों के प्रकाशन में सहायक बने हैं, जैसे 'शेर जंग', 'मीर आलम' / 'रियाज-ए-मुखतारिया' और 'मुराक्का-ए-दिल्ली', जो सभी उनको समर्पित हैं. उनकी अपनी आत्मकथा 'यूसुफ-ए-दक्कन' उनके जीवन काल में प्रकाशित हुई. इस प्रकार यह स्पष्ट है कि, अंतिम सालार जंग द्वारा संचित वस्तुओं में उसके उत्तराधिकारी सही संग्रहकर्ता के प्रेम और उत्साह में निरंतर बढ़ोतरी करते गए. यह चालीस वर्ष तक अर्थात 2 मार्च, 1949 को उनके देहांत तक जारी रहा. उस समय के सैन्य गवर्नर ने इस महान व्यक्ति के सम्मान में, जो एक महत्वपूर्ण कुलीन पुरुष थे और पुरातन व्यवस्था के भूतपूर्व प्रधानमंत्री थे, एक दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया. हैदराबाद आर्ट्स सोसायटी ने एक शोक सभा का आयोजन किया और संवेदना व्यक्त की. सोसायटी ने यह भी संकल्प लिया कि उनके नाम से एक संग्रहालय खोला जाए. स्वर्गीय नवाब साहिब के मित्र प्रो. हुसैन अली खान और नवाब मेहदी नवाज़ जंग बहादूर ने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना भरपूर योगदान दिया.

संग्रहालय की वर्तमान स्थिति

स्थान:

वर्तमान संग्रहालय भवन का निर्माण मूसी नदी के दक्षिणी सीमा छोर पर किया गया है, जो ऐतिहासिक चारमीनार, मक्का मस्ज़िद आदि जैसे पुराने शहर के महत्वपूर्ण स्मारकों के समीप है. पुस्तकालय और संग्रहालय की वस्तुओं को 1968 में दिवान देवड़ी से नये भवन में अंतरित किया गया. वर्तमान संग्रहालय भवन सुगम स्थल पर होने से आसानी से पहुंचा जा सकता है. यहां सभी क्षेत्रों के पर्यटकों का सतत ताता लगा रहता है. विशाल संग्रह को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान भवन के दोनों ओर दो और भवन के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया. ये दोनों भवन मीर तुराब अली खान भवन (पश्चिमी ब्लॉक) और मीर लैक अली खान भवन (पूर्वी ब्लॉक) 2000 ई. में बनकर तैयार हुए.

विस्तार:

संग्रहालय द्वारा पश्चिमी और पूर्वी ब्लॉकों पर अतिरिक्त मंज़िलों के निर्माण का कार्य किया गया जो पूर्ण हो चुका है. इसके द्वारा 20,000 वर्ग फीट अतिरिक्त क्षेत्र उपलब्ध हुआ है, जिसमें कुछ और दीर्घाएं तैयार करने की योजना बनाई जा रही है ।

इस्लामिक कला दीर्घा: सालार जंग के संकलन से इस्लामिक कला / कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के लिए इस्लामिक कला दीर्घा खोलने की योजना बनाई गई है । सिविल कार्य और फेब्रीकेशन कार्य पूर्ण हो चुके हैं और आंतरिक सज्जा कार्य प्रगति पर है ।

संग्रहालय संकलन: संग्रहालय में, भारतीय मूल के ही नहीं, बल्कि पाश्चात्य, मध्यपूर्व और सुदूर पूर्व मूल की कलात्मक और पुरातत्व वस्तुओं के विश्व के शानदार संग्रह हैं. इसके अलावा, बच्चों का अनुभाग, एक समृद्ध संदर्भ पुस्तकालय, वाचनालय और दुर्लभ पांडुलिपि अनुभाग है. अत: यह संग्रहालय न केवल एक शैक्षिक स्थल बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों के व्यक्तियों के लिए एक आनंददायी स्थान बनाता है..

दीर्घाएं :

संग्रहालय में तीन मुख्य ब्लॉकों (खंडों) में 39 दीर्घाएं हैं. भारतीय संग्रह विभिन्न राज्यों जैसे तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, जम्मू और कश्मीर तथा कांगड़ा, बशोली, जयपुर, उदयपुर, मेवाड़, हैदराबाद, गोलकोंडा, बिजापुर, कर्नूल तथा निर्मल से हैं.

पश्चिमी संग्रहों में शामिल हैं- इंग्लैंड, आयरलैंड, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, जेकॉस्लोवेकिया, और ऑस्ट्रिया.

पूर्वी देशों से वस्तुएं चीन, जापान, बर्मा, कोरिया, नेपाल, थाइलैंड, इंडोनेशिया से और मध्य पूर्व देश जैसे मिश्र (ईजिप्त), सीरिया, फारस (पर्शिया),और अरेबिया से संग्रहित की गई हैं. भारतीय कलाकृतियों में पत्थर की मूर्तियां, कांस्य मूर्तियां, लकड़ी पर नक्काशी, लघु चित्रकारी, आधुनिक चित्रकारी, हाथीदंत, संगेमरमर, वस्त्र, धातु शिल्प, पांडुलिपियां, बिदरी, अस्त्र-शस्त्र और कवच - बक्तर, उपयोगी शिल्पी बर्तन आदि शामिल हैं.

दीर्घाओं की सूची

1. **संस्थापक दीर्घा :** इस दीर्घा में सालार जंग परिवार से संबंधित चित्र और अन्य व्यक्तिगत वस्तुएं प्रदर्शित की गई है. इस दीर्घा में मीर आलम, मुनीर-उल-मुल्क-II, मोहम्मद अली खान, सालार जंग-I, सालार जंग-II और सालार जंग-III के कई अच्छे तैलचित्र प्रदर्शित किए गए हैं, जो उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हैं, जो दीर्घा में अतिरिक्त आकर्षण प्रदान करते हैं.
2. **दक्षिण भारतीय कांस्यवर्ण और मुद्रित वस्त्र दीर्घा:** संग्रहालय का कांस्यवर्ण संकलन पल्लव, विजयनगर, चोळ काल के हैं.
3. **भारतीय मूर्तिकला :** यद्यपि संग्रहालय में पत्थर की मूर्तियों का संकलन कम है, फिर भी उनका बहुत महत्व है क्योंकि वे भारत में प्रचलित विभिन्न मुद्राओं की विशिष्ट आकृतियों को दर्शाती हैं. ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी की बुद्ध की खड़ी हुई प्रतिमा, सर्प शय्या पर लेटे हुए शेष साई विष्णु की प्रतिमा सर्वोत्कृष्ट है. अन्य मूर्तियों में जैन मूर्तियां, गंधर्व शैली की बुद्ध की मूर्तियां और धर्म निरपेक्ष मूर्तियां हैं.
4. **दक्षिण भारत की लघु कलाएं :** भारतीय कला के इतिहास में लकड़ी पर नक्काशी का महत्वपूर्ण स्थान है. प्राचीन धर्मग्रंथों में विभिन्न प्रकार के धार्मिक वृक्षों और पौधों, जो देवी-देवताओं के प्रतिमाओं की नक्काशी के लिए प्रयोग किए जाते थे, उसके बारे में विस्तार से वर्णन किया गया है. इस दीर्घा में पर्यटक लकड़ी की नक्काशी, निर्मल चित्रकारी, धातुशिल्प और हाथीदंत नक्काशी की झलक देख सकते हैं. दीर्घा का एक बड़ा भाग दक्षिण भारतीय लकड़ी की नक्काशियों से भरा है.
5. **भारतीय वस्त्र और मुगल कालीन शीशा :** संग्रहालय का वस्त्र संग्रह बहुत महत्वपूर्ण है विशालता और विविधता दर्शाता है. संग्रहालय में टाइ एवं डाइ या बांधनी वस्त्र और कुछ पटोला साड़ियों के नायाब नमूने हैं. संग्रहालय में संग्रहित कलमकारी वस्त्र, भारत की समृद्धता में से एक हैं, जो कलमकारी पेंटिंग की शैली और तकनीकी के लिए उन्नत और आंध्र प्रदेश के मुद्रण को उजागर करते हैं.
6. **हाथीदंत कलाकृतियां:** सालार जंग संग्रहालय में विश्व के विभिन्न भागों से हाथीदंत कृतियों का अच्छा संग्रहण है. हाथीदंत संग्रहण प्लास्टिक कला के माध्यम के रूप में हाथीदंत का उत्कृष्ट नमूना है. संग्रहण में हाथीदंत के मोहरें, चौसर सेट आदि एक रोचक समूह हैं.
7. **दुपट्टा रेबेक्का दीर्घा :** इस संगमरमर की मूर्ति को जी.बी.बेन्ज़ोनी द्वारा पारदर्शि दुपट्टे में तराशा गया है.

इस महान कृति को 1876 ई. में सालार जंग – I द्वारा खरीदा गया था. विश्व प्रसिद्ध शिल्पकार जी.बी.बेन्ज़ोनी ने युवा रेबेक्का को झुकावदार दुलहन के रूप में पारदर्शि दुपट्टे में तराशा है.

8. **पैदल छड़ी दीर्घा :** इस दीर्घा में सालार जंग द्वारा प्रयुक्त केन, हाथीदंत, हड्डियों आदि से बनी विभिन्न प्रकार की पदचालन छड़ियां प्रदर्शित की गई हैं.

9. **अस्त्र-शस्त्र और कवच :** सालार जंग संग्रहालय में अस्त्र-शस्त्र और कवच के संग्रहण में तलवारें, छुरा-कटार, युद्ध परशु, बरछे-भाले, अंकुश, गदा, धनुष - बाण और बारूद आदि शामिल हैं. रक्षात्मक हथियारों में विभिन्न स्थानों और लोगों के तलवार, ढाल, वक्ष प्लेट, हेलमेट और बखतर सूट आदि शामिल है. संग्रहण में मुगल शासक औरंगजेब, टिपू सुलतान, मोहम्मद शाह और बहादुर शाह जैसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तियों के हथियार रखे गए है.

10. **धातु शिल्प दीर्घा :** रजत, कांस्य और अन्य धातु के सीरियाई, फारसी, बरमनी, जापानी, भारतीय, रूसी तथा अंग्रेज़ी वस्तुएं इस दीर्घा में शोभायमान है.

11. **आधुनिक भारतीय चित्रकला :** संग्रहालय के संग्रहण में पचासी कलाकारों की कृतियां सजायी गयी हैं. राजा रवि वर्मा पाश्चात्य परंपरा में प्रशिक्षित हुए थे और भारतीय विषयों को समाविष्ट करते हुए भारतीय पौराणिक और शास्त्रीय विषयों पर अत्यधिक मात्रा में तैलचित्र बनाए. उनके बनाए हुए दो चित्र अर्थात केरल की खूबसूरती और स्टोलन इंटरव्यू दीर्घा की शान बने हुए हैं. बंगाली समुदाय के प्रतिनिधियों में रविन्द्रनाथ टैगोर, नंदलाल बोस, चुघताई, बिहारी मुखर्जी और वी.एस मारोजी प्रमुख संग्रह हैं. अबनींद्रनाथ की दो कृतियां "क्या आपने उनकी शांत कदमों की आहट सुनी है" और "संगीतकार" को इस संग्रहालय में जगह मिली हुई है. नंद लाल बोस, भारतीय चित्रकला के आधुनिक नवचेतकों में से एक हैं, बंगाल की उत्कृष्ट पेंटिंग की शोभा बढ़ाते हैं. उनकी दो महत्वपूर्ण कृतियां क्रमश: "वसंत" और "आग के चारो ओर ग्रामीण" प्रतिनिधित्व करती हैं. विख्यात चित्रकार जिन्होंने नए प्रयोग किए हैं जैसे एम.एफ.हुस्सैन, के.के.हेब्बार, एन.एस.बेंदु, पानिकर, के.एस.कुलकर्णी, पी.टी. रेड्डी, पैदि राजु और दिनकर कौशिक की चित्रकलाएं भी शोभायमान हैं.

12. **भारतीय लघु चित्रकला :** मुगल कालीन लघु चित्रकारी के कुछ मोहक उदाहरण इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं. लघु चित्रकारी के क्षेत्र में राजस्थान के रोमानी भूमि का बहुत बड़ा योगदान है. 18वीं सदी के मध्य की चित्रकारी के उत्कृष्ट समूह जैसे न्यायालय के दृश्य, राजा का जुलूस आदि पहाड़ी, बशोली कांगड़ा क्षेत्र से हैं. बहुतायत चित्रकारी दक्कन कलाम की विरासत ओर नज़ाकत को दर्शाते हैं. संग्रहालय में जैन कल्पसूत्रों में पूर्वार्द्ध के रोचक पत्ते हैं, जिसपर 14वीं और 15वीं शताब्दी की पाश्चात्य भारतीय शैली की चित्रकला है.

13. **खिलौने और गुडिया :** संग्रहालय के इस दीर्घा में खिलौने और गुडिया का बृहत संकलन मौजूद है. का बृहत संकलन मौजूद है. भारत में सिंधु घाटी सभ्यता के समय से ही खिलौने और गुडियों का संकलन किया जाता रहा है. विभिन्न स्थानों के खिलौनों का अपना अलग महत्व होता है. पुराने ज़माने के हमारे शिल्पकार जंगली जानवरों पक्षियों और देवी-देवताओं के मिट्टी के नमूने बनाकर बच्चों को पेश किए जाते थे.

    कोंडपल्ली, विजयवाडा के खिलौने सारे देश में और विदेशों में एक महान प्रतिष्ठा की स्थापना की है. खिलौने अमुमन पक्षियों, धार्मिक और नित्य कार्मिकों से प्रभावित होते है इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए खिलौने बहुत ही नाजुक, दुर्लभ और अभिव्यक्तिपूर्ण चेहरों एवं वास्तविकता के अनुरूप हैं

14. **फ्लोरा और फौना दीर्घा :** इस दीर्घा में चीन, जापान और अन्य युरोपीय देशों से लाए गए धातु, संगमरमर एवं चीनी मिट्टी से बने पशु और परिंदे प्रदर्शित किए गए हैं.

15. **बाल खंड :** इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए कलाकृतियों

द्वारा यहाँ आने वाले बच्चों को शैक्षणिक ज्ञान प्रदान किया जाता है.

इस दीर्घा में विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के पीतल की आकृतियां, चीनी मिट्टी की कलाकृतियाँ, संगीत की पेटियाँ, संगेमरमर की मूर्तियों और खिलौनों की भरमार है. जपान के गीभा खिलौने, लियोनल कॉर्पोरेशन ऑफ अमेरिका 1930 द्वारा निर्मित इंगलैंड की कार्यात्मक चलती गाड़ी का सेट और सफेद बर्फ के सात बौने प्रतिमाओं का सेट आदि इस खंड की प्रतिष्ठा को बढ़ाते हैं..

16. **अरबी और फारसी पांडुलिपियां :** अरबी और फारसी पांडुलिपियां संग्रहालय के महत्वपूर्ण संकलन है. सबसे प्राचीन प्रदर्शित पांडुलिपि पवित्र कुरान है, जिसे कुफिक लिपि में चर्मपत्र पर लिखा गया है और जो 9वीं शताब्दी इसवी सन् का है. इसके अलावा यहां कई पवित्र कुरान है, जो प्रदीप्त और अलंकृत कर रखे गए है तथा दीर्घा की शोभा बने हुए हैं. अन्य प्रदर्शित स्मरणीय पांडुलिपियों में फारसी के सुलतान हुसैन द्वारा लिखित उमर खय्याम की चौपाइयां और शाहजहां की चहेती बेटी राजकुमारी जहाँआरा बेगम द्वारा लिखित आत्मकथा, प्रदीप्त पवित्र कुरान, मोहम्मद-बी-अब्दुल रहमान समरकंदी (1424 ई. सं.) द्वारा लिखित फिरदौसी का शाहनामा आदि हैं.

17. **फ्रेंच अफ्रीकी दीर्घा :** इस दीर्घा में 24 कलाकृतियां प्रदर्शित किए गए हैं. एक अफ्रीकी मूंह में पैप रखकर समाचार पत्र पढते हुए दर्शाने वाली कलाकृति इस दीर्घा में आकर्षण का केंद्र है.

18. **भारतीय रजत दीर्घा :** इस दीर्घा में भारतीय मीनाकारी और प्रतिमाओं की कलाकृतियां और करीमनगर (आंध्र प्रदेश) तथा कटक (उडिसा) के फिलइग्री कलाकृतियां प्रदर्शित किए गए हैं.

19. **कालीन :** संग्रहालय के मध्य पूर्वी कला संकलन में फारसी कालीन एक महत्वपूर्ण स्थान ग्रहण किया है. इस दीर्घा में तटिल बुनाई और विभिन्न आभूषणों के पैटर्न सहित सजावट के खूबसूरत नमूने, विशेषत: फारसी के सभी महत्वपूर्ण करघा, अर्थात् काषना, बोखारा, तब्रीज, किरमान, शिराज आदि दीर्घा में प्रतिनिधित्व करते है.

20. **इजिप्तियन और साईरियन कला :** यद्यपि प्रदर्शित किए गए इजिप्त की कलाकृतियों का बड़ा भाग प्राचीन इजिप्तियन राजाओं के महत्वपूर्ण मकबरों से लिए गए मूल की केवल नकल है, इन कलाकृतियों में सज्जा सामग्री, गोटा-पट्टा कार्य और हाथीदंत नक्काशी शामिल हैं."तूतनखामेन" सिंहासन की शानदार प्रतिकृति आकर्षण का केन्द्र हैं, जो 1340 ई. पू. का है, इसका मूल रूप मिस्र के कैरो संग्रहालय में है. यद्यपि इसकी नकल 20वीं सदी में बनाई गई, इस सिंहासन को देखने से मूल सिंहासन के उत्कृष्ट कारीगरी को आसानी से जान सकते हैं. सायरियन के कलाकृतियों में मोतियों की जननी जड़ित राजसी कारीगरी के साथ एक बड़ी संख्या में सज्जा सामग्री की वस्तुएं हैं. उनमें से अधिकतम उत्कीर्ण किए हुए है.

21. **संगेमरमर दीर्घा :** संगेमरमर अर्धकीमती पत्थर है, जो प्राय: पूर्ण सफेद से विभिन्न रंगों, हीरा पन्ना से स्याह काली हरे रंगों में मिलता है. इन संग्रहों में शराब की प्याली (सादा और कीमती पत्थरों से जड़ा हुआ) प्लेट, कप, बुक स्टैंड, बेल्ट बकल, शस्त्र म्यान, फ्लाई विस्क हैंडल और हेयर पिन्स आदि हैं. संगेमरमर का अंकित पुस्तक स्टैंड "शमशुद्दिन इत्तामिश", "साहिब-ए-कुरान-ए-सानी" अंकित धनुर्धर रिंग मुगल शासक शाहजहां का शीर्षक आदि कुछ उत्कृष्ट कलाकृतियां हैं. संगेमरमर से बनी हुई फलों की चाकू और छुरा जिसमें बहुमूल्य पत्थर जड़े हैं, क्रमश: जहांगीर और नूरजहां से संबंधित माने जाते है.

22. **बिद्री दीर्घा :** बिद्री शब्द बीदर शहर के नाम से लिया गया है, जो हैदराबाद से 120 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर पश्चिम में स्थित है. बिद्री कला बीदर से संबंधित नहीं है, परन्तु यह कला हैदराबाद, लखनऊ, पुणे और कश्मीर के कुछ हिस्सों में की जाती है. सामान्यत: यह डिज़ाइन चांदी के पत्रों से बनाया जाता है. काली पृष्ठभूमि पर चमकते चांदी का अभिकल्प इसको

उत्कृष्टता प्रदान करता है. इस संग्रहालय में पुराने बिद्री शिल्प कला के नमूने जैसे, हुक्का बेस, पानदान, ट्रे, सुराहियां, अफ्तबास, गुलदस्ता, आदि प्रदर्शित हैं.

23. **कश्मीर दीर्घा :** कश्मीर कक्ष में पेपर मशीन, हाथीदंत, लकडी, सिल्क और प्रलाक्षा से बनाए गए कुशल करीगरी के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं.

24. **सिक्का दीर्घा:** संग्रहालय में विभिन्न अवधियों के सिक्कों का बृहत संग्रह है, जिसमें मगध शाही, मौर्या सामराज्य, शातवाहना, विष्णुकुंडी, पश्चिमी और पूर्वी चालुक्याओं के सिक्के इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं.

इस्लामी सिक्के, दिल्ली के सुलतान जैसे खिलजी, तुगलख उनके बाद बहमनी शासन, निज़ाम शाही, बरीद शाही, मुगलों का, कुतुब शाही, आसिफजाही सिक्के भी इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं.

25. **उपयोगी शिल्पी वस्तु दीर्घा :** यहां प्रदर्शित शिल्प कलाकृतियों में उपयोगी शिल्पी वस्तुएं तथा मुरादाबाद और दक्क़नी पारंपरिक हुक्का, पानदान, पशुओं की अनोखी कलाकृतियां, आदिवासी कला के सेट इस दीर्घा में शोभायमान है.

26. **यूरोपीय फर्नीचर :** यूरोपीय कलाकृतियों के संकलन का एक और अदभुत हिस्सा है यूरोपीय सज्जा सामग्री. फ्रेंच सज्जा सामग्री में कैबिनेट, कनसोल, कुर्सियां, सोफा सेट, कमोड, रमणीय परदा, मेज आदि विविध सामग्री हैं, जो लोइस XIV (1643-1715), लोइस XV (1715-44), लोइस XVI (1774-92) और नेपोलियन-I की अवधि से संबंधित हैं और जो दीर्घा की शोभा बढ़ाते हैं.

27. **चीनी संकलन :** इस संग्रहालय के चीनी संग्रहण 12वीं से 19वीं शताब्दी के हैं. प्राचीन चीनी मिट्टी के बर्तन जो बाहरी दुनिया में पहुंचने पर निस्संदेह "सेलाडन" (काही) होते हैं, जो विशिष्ट धुंधली हरी चमकीली सामग्री है. इस सामग्री में कुछ रहस्यपूर्ण स्वभाव के गुण हैं. इस माध्यम में प्रदर्शित किए गए सामग्रियों में रोगन और जड़ाऊ चिलमन, रोगन बक्से, तराशे हुए बोतल, गुलदान और सज्जा सामग्री आदि शामिल हैं. संग्रहालय में हाथी दांत पर हाथ से की गयी कारीगरी और कुशल नक्काशी देखते ही बनती है. हाथी दंत के संग्रहण में नक्काशी के अदभूत संग्रह 18वीं से 19वीं शताब्दी के हैं.

28. **सुदूर पूर्वी चीनी मिट्टी के बर्तन दीर्घा :** इस दीर्घा में 12वीं से 19वीं शताब्दी के चीन में बने चीनी मिट्टी के बर्तन, 17वीं से 19वीं शताब्दी के जापान में बने चीनी मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित किए गए है.

29. **जपानीज़ कला :** यद्यपि जपानीज़ कला इतिहास और संस्कृति के क्षेत्र में चीन के नैसर्गिक उपसिद्धांतवादी के रूप में उभरा है, उसने संस्कृति और कला के क्षेत्र में स्वत: अपनी पहचान बनाया है. संग्रहालय के संकलन में प्राचीन वस्तुओं में सफेद और नीले चीनी मिट्टी के बर्तन हैं, जो 17वीं सदी के है. संग्रहालय में प्रख्यात सतसूमा सामग्री है, जिसमें विभिन्न आकारों के गुलदान, बोऊल और प्लेट तथा चाय के सेट्स का प्रचुर संकलन है. संग्रहालय में समुराय तलवार है, जिस पर हाथी दांत के मूठ लगे हुए हैं, जो कटना (बड़ा तलवार) और वाकिजास (छोटी तलवार) दोनों का प्रतिनिधित्व करता है और इनमें एक बड़े तलवार के म्यान में फिट की हुई कोडज़ाका (मिसाईल के रूप में प्रयुक्त की जाने वाली छोटी छूरी) भी है.

30. **सुदूरपूर्वी मूर्ति कला :** इस दीर्घा में नेपाल और तिब्बत जैसे देशों से शिल्पकारी कलाओं से रोचक चित्रों को प्रदर्शित करता है, इन देशों को विश्व के श्रेष्ठ देशों के रूप में माना जाता है .यहां पर मूर्तिकला विशिष्ट तीन माध्यमों से जैसे - कांस्य, धातु और लकड़ी के होने पर है. इस दीर्घा में अधिकतम कलात्मक वस्तुएं बौद्ध शिल्पकारी से संबंधित है, जो बौद्ध मत का प्रभाव भारत जैसे भूखंड से फैलकर भारतीय उपमहाद्वीप जैसे चीन और जापान भू-भागों में भी फैला हुआ है. बौद्ध मूर्तिकला के अलावा इस दीर्घा में जापान के समुराई सैनिकों के मूर्तियां भी अत्यंत रोचक रूप से प्रदर्शित हैं.

31 और 32. **सुदूर पूर्वी लकड़ी के नक्काशिदार फर्नीचर :** 17वीं से 20वीं शताब्दी के चीन,जापान और बर्मा में बने लकड़ी की नक्काशी का बृहत संकलन यहां प्रदर्शित है.

33. **यूरोपीय पेंटिंग :** यूरोपियन संकलन में तैल और जल चित्रकारी का महत्वपूर्ण स्थान है. वे जनता की रुचि और उस काल के कलात्मक अभिव्यक्ति को भी दर्शाता है. संग्रहालय में प्रदर्शित चित्रों में केनालेट्टो, हयेज, ब्लास, मार्क, अलडाइन, डिजियानी, माटिन और कुछ कम विख्यात चित्रकारों के कार्य शामिल हैं. सालार जंग संग्रहालय में प्रदर्शित केनालेट्टो का तैल चित्र पियाज़्ज़ा सब मारको एक मनमोहक कृति है, जिसमें सुंदर संरचना, मोहक रूप, रमणीय प्राकृतिक दृश्य और उत्कृष्ट परिदृश्य सम्मिलित है. हयेज़ की सुंदर कृति साबुन के बुलबुले, जिसमें एक लड़का बुलबुले छोड़ रहा है जो हवा में तैर रहे है, पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र है.

34. **यूरोपीय शीशा :** संग्रहालय में वेनीस, फ्रांस, इंग्लैंड, अमेरिका, बोहेमिया, बेलजियम, तुर्किश और चेकोस्लोवाकिया से लाए गए शीशे के कई उत्कृष्ट नमूने देखने मिलते हैं. वेनीस में बनी हुई शीशे की कलाकृतियां संकलन में विशिष्ट स्थान रखते हैं. बोहेमियन शीशे की निथरनी और कटोरों पर बरोक शैली में एकांथस, फूल, बेलबूटियों की नक्काशी कटाई और एनामेल किया गया है.

35. **फ्रेंच दीर्घा :** इसमें बारूके, रोक्कोको, फ्रांस और ओरमोलु के नियो शास्त्रीय शैली में बने चीनी मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित है.

36. **यूरोपीय घड़ियां :** सालार जंग संग्रहालय में फ्रांस, इंग्लैंड, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, हॉलैंड आदि विभिन्न यूरोपीय देशों की घड़ियों का प्रचुर मात्रा में संकलन है. इनमें चिड़िया का पिंजरा घड़ी, ब्रैकेट घडी, दादा घड़ी, कंकाल घड़ी आदि शामिल है. संग्रहालय में लुईस XV, लुईस XVI और फ्रांस के नेपोलियन-I काल की घड़ियां इसके कुछ उदाहरण भी है. यहाँ की सबसे महत्वपूर्ण घडी जो अत्यधिक संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करती है, वह है ब्रिटिश ब्रैकेट घड़ी. इसमें एक यांत्रिक उपकरण है जिसके जरिए एक छोटा खिलौना हर घंटे पर पिंजरे से बाहर निकल कर घंटी बजाता है और वापस पिंजरे के अंदर चला जाता है.

37. **यूरोपीय चीनी मिट्टी के बर्तन :** संग्रहालय में ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के बर्तनों का बहुत बड़ा संकलन है, जो सेवरेस संचयन के बाद आता है. ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के संकलन का उत्कृष्ट नमूना है बकरे पर सवार एक दर्जी और उनकी पत्नी का चित्र. अंग्रेजी चीनी मिट्टी की कलाकृतियां विभिन्न प्रकार की है, जो ज्यादातर 19वीं सदी में बनाई गई हैं. उत्कृष्ट नमूनों में से प्याली, तश्तरी, प्लेट, कलश, गर्म पानी प्लेट, लघु मूर्तियां आदि शामिल हैं. इस संग्रहण में वरसेस्टर, चेलसिया, डर्बी, कोलपोर्ट, स्पेड, मैनचिस्टर, मिनटन, वेजवूड आदि फैक्टरियों के नमूने भी शामिल हैं.

38. **यूरोपीय कांस्य :** संग्रहालय में रखे गए यूरोपीय कांस्य की कलाकृतियों में कुछ प्रसिद्ध शिल्पकारों की मूल कृतियों के साथ-साथ नकल भी संग्रहित है, जो काफी विख्यात हैं. यह माध्यम पश्चिम में लोकप्रिय है. ग्रीक कलाकृतियों में "लाऊकून और उसके बेटे" नामक कृति की नकल विलक्षणता का प्रतीक है. यह कला ग्रीक शिल्पकारों को युगों से प्रभावित करती आई है तथा सबसे पुरानी कलाकृति 50 ई.पू. की है. इसके अलावा, यहां और कई प्रतिमाएं है, जैसे - स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी, अलेक्जेंडर आन हार्स बैक, ऑगस्टस, सीज़र नाईट वॉचमैन आदि जो इन व्यक्तियों से जुड़ी कई ऐतिहासिक घटनाओं की याद दिलाते हैं.

39. **यूरोपीय संगमरमर दीर्घा :** संग्रहालय में संगमरमर की मूर्तियों का बहुत बडा संकलन है यद्यपि उनमें विख्यात शिल्पकारों द्वारा बनाई गई ग्रीक पौराणिक शिल्पों के नकल है, जो बगीचे में रखने वाली मूर्तियां है. इस कृति में विश्व विख्यात शिल्पकार जी.बी. बेन्ज़ोनी ने अपनी अतूक छेनी से वधु की रूप में रेबेक्का की लज्जा और यौवन को झलकाया है. इसके अतिरिक्त प्रो.बोरियोने द्वारा बनाया गया क्लियोपात्रा, फ्रांस के शिल्पकार का 'बेब' जिसमें एक बच्चे की मासूमियता झलकती है और क्यूपिड की पत्नी 'साइके' जो सुंदरता का प्रतीक हैं, की प्रतिमा कुछ उत्कृष्ट उदाहरण हैं. प्रसिद्ध फ्रेंच मूर्तिकार, कनोरा (1757-1822) की दो मूर्तिकलाएं वीनस के रूप में राजकुमारी पौलिन कास्ट

और दूसरी वीनस की मूर्ति भी उत्कृष्ट संगमरमर हैं. इटली, फ्रांस और इंग्लैंड से मंगवायी गयी कई संगमरमर मूर्तियां संग्रहालय में उपलब्ध हैं.

भंडार

सभी कलाकृतियों को सामग्री वार अलग-अलग किए गए हैं, जैसे: वस्त्र, लकडी के फर्नीचर, लघु चित्रकारी, शीशा, चीनी मिट्टी के बर्तन तथा पेंटिंग आदि और इन्हें नए भंडार कक्षों में शिफ्ट किए गए हैं, इन कक्षों को कमपैक्टर्स और अलमारियों सहित आधुनिक वैज्ञानिक तरीके से नवनिर्मित एवं उन्नत किए गए हैं, जिसमें इन वस्तुओं को प्रत्यक्ष रूप से तथा प्रदूषण से बचाया जा सकता है. अभी तक 15 भंडार कक्षों में से 12 कक्षों में कम्पैक्टर्स लगाए गए हैं.

पांडुलिपियां और पुस्तकालय:

सालार जंग संग्रहालय के पुस्तकालय में सालार जंग परिवार द्वारा एकत्रित पुस्तक और पांडुलिपियां शामिल है, इस संकलन का उद्गम ईसवी सन् 1656 में हुआ. नवाब मीर तुराब अली खान, सालार जंग-I द्वारा इस पुस्तकालय को सुव्यवस्थित संग्रह का रूप दिया गया, जिसे बाद में उनके पुत्र नवाब मीर लाइक अली खान, सालार जंग-II द्वारा और अंत में उनके पौत्र नवाब मीर यूसुफ अली खान, सालार जंग-III ने विकसित किया और इसमें वृद्धि की. पुस्तकालय और पांडुलिपि अनुभाग दूसरी मंज़िल पर स्थित है. इस समृद्ध पुस्तकालय में अंग्रेज़ी, हिंदी, उर्दु, तेलुगु, फारसी, अरबी और तुर्की भाषा की पुस्तकें हैं. अंग्रेज़ी में मुद्रित पुस्तकों में अनुसंधान पत्रिकाएं, दुर्लभ फोटो का अलबम और मूल्यवान उत्कीर्णन शामिल हैं. इस बृहद् संग्रह की प्रमुख बात यह है कि इसमें ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकें हैं जैसे कला, वास्तुकला, पुरातत्व, भौतिक और जीव - जंतु शास्त्र, सामाजिक शास्त्र, साहित्य, इतिहास तथा यात्रा. इस्लाम, हिंदुत्व, इसाई और अन्य धर्मो से संबंधित धार्मिक पुस्तकें भी इसमें शामिल है. इस संग्रह की प्राचीनतम पुस्तक ईसवीं सन् 1631 में मुद्रित एक अंग्रेज़ी पुस्तक है. इस पुस्तकालय में कला, शिल्पकला, चित्रकला, सिरैमिक कला, अलंकरण कला, संगीत शास्त्र, संग्रहालय पर्यटन इत्यादि विषयों से संबंधित नयी पुस्तकें निरंतर जोड़ी जाती हैं. संग्रहालय के कर्मचारियों के अलावा अनुसंधान विद्वान (भारत और विदेशों से) नियमित रूप से पुस्तकालय को आते रहते हैं. औसतन प्रतिदिन दस व्यक्ति अपने ज्ञान बढ़ाने तथा समृद्ध करने हेतु पुस्तकालय का उपयोग करते हैं. संग्रहालय में उपलब्ध उत्कृष्ट पांडुलिपियों के संग्रह में अरबी, फारसी, उर्दू और अन्य भाषाओं के हैं. इस संग्रह में सुलेखन पट्ट भी हैं. इन सचित्रों में विभिन्न ईरानी और भारतीय पंथ की पुस्तकें हैं जैसे बुखारा, इस्फहान, शिराज, तब्रेज, कचार, हार्ट, लाहौर, कश्मीर, पंजाब, दिल्ली, जयपुर, मारवाड़, गुजरात, कंपनी स्कूल और दक्खनी उप पंथ जैसे गोलकोंडा, बिजापुर, बीदर और हैदराबाद. पांडुलिपियों में इतिहास, जीवनी, गणित, संगीत, खगोल-विज्ञान, चिकित्सा, दर्शन, भौतिक, रसायन, पशुपालन, शिकार, सैन्य, विज्ञान, विधि, साहित्य, पवित्र कुरान और अन्य संबंधित विषयों के विभिन्न पुस्तकें हैं.

अरबी पांडुलिपियां:

इस पुस्तकालय में अरबी पांडुलिपियां हैं. इसकी बड़ी विशेषता है कि बीजगणित (847 ई.) पर शरहूँ मुख्तसर अल मुख्तसर नामक गणित पर दुर्लभ कृतियां हैं. खगोल शास्त्र में पहला कार्य है - ग्लोब को बनाना तथा उसका प्रयोग करना (16वीं सदी), चिकित्सा के क्षेत्र में अविसेना (आईबीएन सिना) का किताबुल कैनून और प्राकृतिक इतिहास में हयातुल हैवान का उल्लेखनीय कार्य यहां उपलब्ध है. दर्शन के क्षेत्र में, रसैल इख्वानस साफा (16वीं सदी) का इन्सोक्लोपीडिया कार्य भी पुस्तकालय में उपलब्ध है. तर्क शास्त्र पर अल तजरिड फिल मंटिक, नसीरूद्दीन तुसी (1628 ई.सन) का प्रसिद्ध कार्य है तथा बादशाह जहाँगीर की इम्पीरियल पुस्तकालय से अला शारहिल मताली की पांडुलिपि की प्रति भी उपलब्ध हैं. यहां के संग्रहण में शिया और सुन्नी, यहूदी और सूफियों द्वारा आदियाह (प्रार्थना) में प्रयोग होने वाले इस्लाम के विचार की पांडुलिपि भी उपलब्ध है. सूफी सिद्धांत (दिल्ली-1675 ई.) के प्रवर्तकों के परिचय पर तार्रुफ लि मधबिट तसव्वुफ़ एक दुर्लभ कृति है. अबु नसर का शब्दकोश साबब (1218 ई.) का प्राचीनतम संग्रह है. जै उल क्वायद का पर्यायवाची शब्दकोश (1576 ई.) का

प्राचीनतम संग्रह है और निज़ाम-II की अवधि के दौरान शब्द साधन विषय पर लिखा गया अस शाफिया पर वाक्य विचार, पुस्तकालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं.

फारसी पांडुलिपियां:

फारसी भाषा के पांडुलिपियों का बृहत संकलन उपलब्ध हैं. सबसे अधिक उल्लेखनीय रौदातुल मुहिब्बिन है, जिसमें बुखारा परम्परा के बीस उद्धरण दिए गए हैं और प्रख्यात सुलेखक मीर अली हरवी ने लिप्यांतरण किया है. सुन्नी कामेंटरी सबसे पुरानी पांडुलिपि अल बसैर फिल वुजुह वन नज़ीर है, जो अरबी नक्ष में 1207 ई. में लिखा गया है. तसव्वुफ पर, बहुमूल्य और उपयोगी ग्रंथ का लिप्यंतरण 1588 ई. में बयाज़िद बुस्तामी ने किया. कला, विज्ञान, भविष्यवाणी, ज्योतिषी, जादू और धनुर्विद्या विषयों पर भी पांडुलिपियां उपलब्ध हैं. कृषि पर पुरानी पांडुलिपि और बहुमूल्य एवं अर्ध बहुमूल्य पत्थरों पर कई पांडुलिपियां हैं.

सुलेखन कला पर संग्रहालय में अनेकों पांडुलिपियां हैं, पाक कला पर दो पांडुलिपियां, जो शाहजहाँ के लिए दस्तूर - ए - पुख्तान एल अतामाह नाम से रचित है. इत्र (सुंगधित तेल) बनाने के बारे में भी प्राचीन पांडुलिपियां हैं. चिकित्सा के क्षेत्र में प्राचीनतम अरबी भाषा का फारसी में अनुवाद मुहम्मद-अर-रादि द्वारा शाहजहाँ के लिए लिखी गयी तरजुमा-ए-मिन्हजुल उपलब्ध हैं. संग्रहालय में भारत में लिपिबद्ध सबसे पुरानी चिकित्सा इन्सिक्लोपीडिया उपलब्ध है. पशु चिकित्सा विज्ञान में पशुओं की चिकित्सा पर उपलब्ध प्राचीनतम पांडुलिपियां मौलजा-ए-जानवरान है और यह फ़िरोज शाह (1281 ई.) को समर्पित है.

उर्दू, तुर्कि, पुश्तु, हिंदी और उड़िया पांडुलिपियां

सालार जंग संग्रहालय में विभिन्न विषयों से संबंधित उर्दू की पांडुलिपियां हैं, जिनमें राजा मुहम्मद कुली द्वारा रचित दीवान-ए-कुली कुतुब शाह और इब्राहिम आदिल शाह द्वारा नुरूस, अंकगणित पर "लीलावती" नामक दुर्लभ पांडुलिपियां उपलब्ध हैं. तुर्कि में 25 पांडुलिपियां, कुछ हिंदी में और फारसी लिपि में, कुछ पन्ने जैन कल्पसूत्र और कुछ भोज पत्र उड़िया, संस्कृत और तेलुगु में इतिहास, चिकित्सा, तंत्र और कविता के बारे में उपलब्ध हैं.

संग्रहालय के उद्देश्य:

1. संग्रहालय की कलाकृतियों और संकलन को संरक्षित तथा सुरक्षित रखना.
2. सालार जंग के संकलन और अन्य अर्जित कलाकृतियों को संग्रहालय में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रदर्शित करना.
3. प्रख्यात विद्वानों, सांस्कृतिक संस्थानों, अन्य संग्रहालयों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों के सहयोग से संग्रहालय संकलन और कला इतिहास से संबंधित व्याख्यानों, प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों का आयोजन करना.
4. वैज्ञानिक, सौंदर्य और सार्वजनिक अनुकूल तरीके से मौजूदा दीर्घाओं में कलाकृतियों को आधुनिक रूप से प्रदर्शित और अनुरक्षित करना.
5. जन सामान्य में संग्रहालय की कलाकृतियों और कला इतिहास के बारे में जागरुक्ता लाने के लिए साहित्य जैसे: अनुसंधान जर्नल, पुस्तकें, ब्रोचर, बुकलेट आदि प्रकाशित करना.
6. संग्रहालय को एक सृजनात्मक केंद्र तथा गतिशील सांस्कृतिक संगठन बनाना.

संग्रहालय के क्रियाकलाप:

- संग्रहालय के क्रियाकलाप है, संग्रहालय की कलात्मक संपदा का संकलन, प्रलेखन, प्रदर्शन, संरक्षण और व्याख्यान आदि.
- सालार जंग संग्रहालय द्वारा प्रत्येक वर्ष विभिन्न अवसरों पर प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है.
- उपर्युक्त के अलावा संग्रहालय द्वारा प्रत्येक वर्ष संग्रहालय सप्ताह, बाल सप्ताह, ग्रीष्म कालीन कला शिविर आदि भी आयोजित किए जाते हैं ।

दर्शक सुविधाएं

- संग्रहालय में आमानती सामान घर प्राप्ति केंद्र और अलग से बुकिंग काउंटर की व्यवस्था की गई है.
- संग्रहालय में दर्शकों के लिए मुख्य भवन में पूर्ण केफेटीरिया और पश्चिम ब्लॉक में एक छोटे आउटलेट की व्यवस्था है जिसे तेलंगाना पर्यटन विभाग द्वारा चलाया जा रहा है.
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए व्हील चेयर और शौचालय की भी व्यवस्था की गई है.
- मल्टी मीडिया, ऑडियो वीडियो विजुअल और मार्गदर्शक सुविधा : संग्रहालय के चार दीर्घाओं में संपूर्ण सूचना के साथ टच स्क्रीन प्रणाली लगाई गई है. प्रवेश स्थान पर 65" स्क्रीन वाली संग्रहालय सूचना प्रणाली स्थापित की गई है.
- संग्रहालय में एक स्मारिका शॉप है जिसमें मार्गदर्शक पुस्तिकाएं, संग्रहालय संकलन के प्रकाशन, कलाकृतियों की प्रतिकृतियां आदि एचएचईसी के स्मारिका शॉप के माध्यम से प्रदान किए गए है.
- दर्शकों के लिए शुद्ध पेय जल की व्यवस्था की गई है. संग्रहालय में आर ओ प्लांट स्थापित किया गया है, जो सभी वॉटर कूलरों को कनेक्ट किया गया है.
- दर्शकों को बैठने के लिए बेंचों की व्यवस्था की गई है.
- तीनों भवनों के फ्लोर प्लान के संक्षिप्त स्केच के साथ सूचना और संकेत सहित आकर्षित बहु रंगीन टिकट आरंभ किए गए जिसे दर्शक बुक मार्क के रूप में संरक्षित कर सकते हैं.
- संग्रहालय आने वाले दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सभी तीनों बलॉकों में लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है.
- सभी भवनों के प्रवेश में रैंप की व्यवस्था की गई है.
- बघीरों (कम सुनने वालों) के लिए सभी दीर्घाओं में कलाकृतियों के बारे में सामान्य लेबल और विवरण बोर्ड लगाए गए हैं.
- ज़रूरतमंदों के लिए विशेष रूप से एक बेबी फीडिंग रूम बनाया गया है. आंतरिक सुविधाओं के साथ वातानुकूल, सोफा जैसी सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं. बेबी फीडिंग रूम के समीप ही एक वाटर कूलर प्वाइंट उपलब्ध कराया गया है.

संग्रहालय के क्रियाकलाप:
शिक्षा विभाग
सालार जंग संग्रहालय के शिक्षा विभाग में निम्नलिखित शाखाएं हैं:

1. शिक्षा
2. प्रकाशन.
3. जनसंपर्क

प्रत्येक शाखा के क्रियाकलाप नीचे दर्शाए गए हैं :-

1.शिक्षा

(क) अस्थाई प्रदर्शनियां

विशेष प्रदर्शनियां, उत्सव प्रदर्शनियां, चल प्रदर्शनियां

(ख) व्याख्यान

मासिक व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान, दीर्घा परिचर्चा, स्मरण व्याख्यान

(ग) अन्य गतिविधियां

ग्रीष्मकालीन कला शिविर, बाल सप्ताह, संग्रहालय सप्ताह, विश्व धरोहर सप्ताह, सालार जंग – III जयंती समारोह, संग्रहालय स्थापना दिवस राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाएं और कार्यक्रम

(घ) शैक्षणिक पाठ्यक्रम

संग्रहालय शास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के सहयोग से), आंतरिक कर्मियों और स्कूल के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण

(च) प्रलेखन

विषयसूची कार्ड तैयार करना, मास्टर लेजरों का रख-रखाव, संग्रहालय वस्तुओं का कंप्यूटरीकरण, दीर्घा सी डी तैयार करना.

2. प्रकाशन

गाईड पुस्तकें, ब्रोशर, पैम्पलेट, द्विवार्षिक एसजेएम पत्रिका तैयार करना व मुद्रण, संग्रहालय स्मारिकाओं का (पोस्ट कार्ड, पोस्टर, प्रतिकृतियां आदि) मुद्रण, कैटलॉग पुस्तकें तैयार करना व मुद्रण और ब्रिक्री काउंटरों की देखभाल. संग्रहालय शॉप के परिचालन का कार्य भारतीय हस्तकला और हथकरघा निर्यात निगम लिमिटेड (हथकरघा मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम) को दिया गया है.

3. जनसंपर्क

किसी भी संग्रहालय के लिए जनसंपर्क सबसे महत्वपूर्ण विषय है. इस शाखा के अंतर्गत सामान्य और अति विशिष्ट पर्यटकों को नि:शुल्क गाईड सेवा प्रदान की जाती है. सामान्य पर्यटकों और विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को उचित सुविधाएं दी जाती हैं.पर्यटकों के लिए सुझाव पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई गई है, जिनके माध्यम से पर्यटकों के सुझावों पर विचार किया जाता है. जनसंपर्क की मुख्य गतिविधियां हैं: संग्रहालय गाइडिंग, दीर्घा परिचर्चा, स्वागत, अन्य एजेंसियों जैसे एएसआई, पर्यटन विभाग के साथ जनसंपर्क बनाए रखना.

रसायनिक संरक्षण स्कंध :

रसायनिक संरक्षण स्कंध अमूल्य कलात्मक वस्तुओं का क्षति तथा खराबी से सुरक्षित परिरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. संरक्षण स्कंध अपने तकनीकी कर्मचारियों के साथ इन वस्तुओं के परिरक्षण और उपचार के लिए जिम्मेदार होता हैं. संग्रहालय में एक परिरक्षण इकाई भी है. रसायनिक संरक्षण स्कंध की निम्नलिखित गतिविधियां हैं :-

- दीर्घाओं में प्रदर्शित तथा भंडार (आरक्षित संग्रह) में परिरक्षित कलात्मक वस्तुओं का परीक्षण.
- प्रयोगशाला में, क्षति/खराबी के कारणों का पता लगाना.
- वस्तुओं के उपचार के लिए प्राथमिकताओं के आधार पर अनुवर्ती कार्रवाई का निर्धारण और आवश्यक उपचार के प्रकार पर भी निर्णय लेना.
- वस्तु के लिए ऐसा उपचार करना जो परिरक्षक और निवारक दोनों प्रकार हो.

इंजीनियरी स्कंध :

इंजीनियरी स्कंध की स्थापना वर्ष 1994 में हुई, जिसका उद्देश्य है, (i) सिविल और विद्युत दोनों कार्यों के निष्पादन का पर्यवेक्षण (ii) परिरक्षण की देख-भाल (iii) भवन अनुरक्षण जिसमें सिविल, जल आपूर्ति, मल-निकासी, वातानुकूलन, बागवानी विकास और अनुरक्षण शामिल है. इस समय इंजीनियरी स्कंध दीर्घाओं के पुनर्गठन परियोजना कार्य से संबद्ध है.

संग्रहालय कर्मचारी :

परिरक्षक कर्मचारियों में क्युरेटर्स, उप-क्युरेटर्स और दीर्घा सहायक शामिल हैं. उनका मुख्य कार्य प्रदर्शन और भंडार में रखे कलावस्तुओं की उचित सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करना और उनका प्रलेखन, दीर्घाओं का अनुरक्षण तथा आरक्षित संचयन. प्रदर्शनियों के आयोजन और दीर्घा व्यवस्था की देखभाल करने के लिए क्युरेटर्स जिम्मेदार है. इसके अलावा यहां एक फोटोग्राफी सेक्शन भी है. वरिष्ठ गाइड प्राध्यापक तथा गाइड प्राध्यापक की सहायता से पर्यटकों के लिए गाइडेड दौरा आयोजित करते हैं और संग्रहालय का उद्‌गम तथा उसका महत्व और प्रदर्शन में रखी गई वस्तुओं के महत्व पर व्याख्यान देते हैं.

सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का गठन

संग्रहालय के कार्यकलापों का प्रबंधन सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा किया जाता है, जिसके अध्यक्ष तेलंगाना के महामहिम राज्यपाल, पदेन अध्यक्ष और भारत सरकार व तेलंगाना राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले दस अन्य व्यक्ति इसके सदस्य होंगे. 11 सदस्यों में से पांच सदस्य पदेन और छः नामित सदस्य होते है

बोर्ड अपने तीन समितियों अर्थातः कार्यकारी, वित्तीय और भवन सलाहकार समितियों के सहयोग से प्रमुख प्रशासनिक, वित्तीय और विकास गतिविधियों पर निर्णय लेता है.

बोर्ड का गठन निम्नानुसार है:

(क)	तेलंगाना राज्य के राज्यपाल	-	**पदेन अध्यक्ष के रूप में**
(ख)	संबंधित मंत्रालय में भारत सरकार के प्रतिनिधि जो सालार जंग संग्रहालय से संबंधित कार्य देखते हो और जो उप सचिव के स्तर से कम न हो	-	**पदेन**
(ग)	महापौर, हैदराबाद महानगर निगम,	-	**पदेन**
(घ)	उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति।	-	**पदेन**
(ङ)	महालेखाकार,तेलंगाना	-	**पदेन**
*(च)	केंद्र सरकार द्वारा एक नामित व्यक्ति, जो स्वर्गीय नवाब सालार जंग बहादुर (जिनका देहांत दिनांक 2 मार्च,1949 को हुआ था) के परिवार का सदस्य हो.		
*(छ)	केंद्र सरकार द्वारा नामित तीन व्यक्ति जिन्हें यथा संभव संग्रहालय तथा पुस्तकालयों से संबंधित प्रशासनिक मामलों का अनुभव हो.		
*(ज)	राज्य सरकार के द्वारा नामित दो व्यक्ति.		

*बोर्ड के नामित सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष की अवधि के लिए होता है।

वर्ष 2019 - 20 के लिए बोर्ड के सदस्यों के नाम निम्नानुसार है:-

1. (क) **श्री ई.एस.एल. नरसिम्हन,** - **पदेन अध्यक्ष**
महामहिम राज्यपाल, तेलंगाना, (1 अप्रैल 2019 से 7 फरवरी 2020 तक)
हैदराबाद.

(ख) **श्रीमती तमिलिसै सौंदरराजन,** - **पदेन अध्यक्ष**
महामहिम राज्यपाल, तेलंगाना, (8 फरवरी 2020 से)
हैदराबाद.

2 **सचिव, भारत सरकार,** - **पदेन सदस्य**
संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली
(सचिव का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)

i) **सुश्री निरुपमा कोतरु,** - **पदेन सदस्य**
संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली
(अप्रैल 2019 से 24.02.2020 तक)

ii) **सुश्री अदिति दास राउत,** - **पदेन सदस्य**
संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली
(25.02.2020 से)

3. **श्री बोंतु राम मोहन** - **पदेन सदस्य**
महापौर, हैदराबाद महानगर निगम, हैदराबाद.

4 **प्रो.एस.रामचंद्रम्** - **पदेन सदस्य**
कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद.- 500 007
(24 जुलाई 2019 तक)

श्री अरविंद कुमार, भाप्रसे - **पदेन सदस्य**
प्रमुख सचिव, नगरपालिका प्रशासन, शहरी विकास
तेलंगाना सरकार. प्रभारी कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद
(25 जुलाई 2019 से प्रभावी)

5 **श्री अनिंद्या दास गुप्ता** - **पदेन सदस्य**
महालेखाकार, (ए एंड ई), तेलंगाना राज्य, हैदराबाद.

6 * नवाब एहतरम अली खान, - **नामित सदस्य (भारत सरकार द्वारा सालारजंग परिवार से)**
घर नं. 9-4-2, टोली चौकी, हैदराबाद
(15 फरवर्री 2019 से प्रभावी)

7 * प्रो. वी. किशन राव, - **(भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य)**
प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति,
पुरातत्व विभाग के भूतपूर्व विभागाध्यक्ष तथा
रजिस्ट्रार (सेवानिवृत्त), उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद
(5 फरवर्री 2019 से प्रभावी)
पावनी अपार्टमेंट, नं. 302, 3-6-183
स्ट्रीट नं.17, हिमायत नगर, हैदराबाद.

8 * डॉ. एस. जय किशन - **(भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य)**
सचिव, भवन्स् न्यू साइंस कॉलेज, रामकोट, हैदराबाद
(5 फरवर्री 2019 से प्रभावी)

9 * डॉ. जी. कमलाकर - **(भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य)**
निदेशक, विडला संग्रहालय,
हैदराबाद. प्लैट नं. 211, भारद्वाज कॉप्लेक्स,
रेड क्रॉस अस्पताल के समीप,
गंगा थियेटर रोड, गड्डीअन्नारम, हैदराबाद.
(5 फरवर्री 2019 से प्रभावी)

10@ रिक्त - **(राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य)**

11@ रिक्त - **(राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य)**

बोर्ड के मनोनीत सदस्यों का 18 नवंबर 2013 से 5 वर्षों की अवधि का कार्यकाल 17 नवंबर 2018 तक पूरा हो गया था।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने राजपत्र अधिसूचना संख्या 76 के भाग II, उप-खंड (i) में 5 फरवरी 2019 से 5 वर्ष की अवधि के लिए सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में 4 नए सदस्यों को नामित किया है। सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में तेलंगाना सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले 2 सदस्यों का नामांकन अभी तक संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त नहीं हुआ है।

सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की ओर से बोर्ड का प्रतिनिधित्व करने के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव को नामित किया गया है।

कार्यकारी समिति

कार्यकारी समिति में 5 सदस्य शामिल है:

पदेन अध्यक्ष के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के कुलपति और बोर्ड द्वारा चार मनोनीत सदस्य:

11 सदस्यों के पूर्ण बोर्ड का गठन अभी बाकी है, कार्यकारी समिति की बैठक नहीं बुलाई जा सकी, क्योंकि बोर्ड द्वारा कार्यकारी समिति के लिए 4 सदस्यों को नामित किया जाना है.

वित्त समिति

वित्त समिति में निम्नलिखित शामिल है

i)	महालेखाकार, (ए एंड ई) तेलंगाना	-	**अध्यक्ष**
ii)	अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा मनोनीत बोर्ड के सदस्य	-	**सदस्य**
iii)	कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	-	**सदस्य**
iv)	संस्कृति मंत्रालय के वित्तीय सलाहकार या उनके प्रतिनिधि जो उप वित्तीय सलाहकार के स्तर से कम न हो	-	**पदेन सदस्य**
v)	भारत सरकार, संस्कृति विभाग द्वारा मनोनीत	-	**पदेन सदस्य**
vi)	निदेशक, सालार जंग संग्रहालय,	-	**सदस्य / सचिव**

वित्त समिति के सदस्यों के नाम निम्नानुसार है :

1) **श्री अनिंद्या दास गुप्ता,** आईए & एएस - **अध्यक्ष**
महालेखाकार, (ए एंड ई)
तेलंगाना राज्य, हैदराबाद.

2)(I) **प्रो.एस.रामचंद्रम्** - **सदस्य**
कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद.
(24 जुलाई 2019 तक)

(ii) **श्री अरविंद कुमार, भाप्रसे** - **सदस्य**
प्रमुख सचिव, नगरपालिका प्रशासन, शहरी विकास
तेलंगाना सरकार, तथा प्रभारी कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय,हैदराबाद.

3) **वित्तीय सलाहकार** (आई.एफ.डी.) या उनके प्रतिनिधि - **पदेन सदस्य**
जो उप वित्तीय सलाहकार के स्तर से कम न हो
एकीकृत वित्त मंडल, भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली.

4) **उप सचिव (संग्रहालय)** - **पदेन सदस्य**
संस्कृति मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली.
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मनोनीत)

5) **बोर्ड के सदस्य** - **रिक्त**
(अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा मनोनीत किया जाना है)

6) **डॉ. ए.नागेंदर रेड्डी** - **सदस्य सचिव**
निदेशक, सालार जंग संग्रहालय,
हैदराबाद.

वित्त समिति के मनोनीत सदस्य का कार्यकाल 17 नवंबर 2018 तक पूरा हो गया था। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने राजपत्र अधिसूचना संख्या 76 के भाग II, उप-खंड (i) में 5 फरवरी 2019 से 5 वर्ष की अवधि के लिए सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में 4 नए सदस्यों को नामित किया है। सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में तेलंगाना सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले 2 सदस्यों का नामांकन अभी तक संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त नहीं हुआ है।

- वित्त समिति के सदस्य को आगामी बोर्ड बैठक में सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा नामित किया जाना है।
- कार्यकारी और वित्त समिति के सदस्यों के नामांकन लंबित होने के मद्देनजर, वर्ष 2017-18 के लिए लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ वार्षिक रिपोर्ट और परीक्षित लेखा, कार्यकारी समिति के अध्यक्ष और वित्त समिति के अध्यक्ष द्वारा यथा अनुमोदित, को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के माननीय राज्यपाल तथा सालार जंग संग्रहालय के अध्यक्ष की अनुमति के साथ संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार को 12 जुलाई 2019 को भेजा गया था, आगामी बोर्ड बैठक में संग्रहालय द्वारा की गई कार्रवाई पर अनुसमर्थन लंबित है.
- वित्त समिति ने 1 अगस्त 2019 को वर्ष 2018-19 के लिए संग्रहालय के वार्षिक लेखा को मंजूरी दी और संग्रहालय को प्रमुख लेखा परीक्षा निदेशक (केंद्रीय) तेलंगाना से ऑडिट पार्टी को आमंत्रित करने की अनुमति दी.

भवन सलाहकार समिति

भवन सलाहकार समिति के 6 नामित सदस्यों का कार्यकाल 17 नवंबर 2018 तक पूरा हो गया था.

5 फरवरी 2019 को प्रकाशित भारत के राजपत्र संख्या 76 में भाग II -उप खंड (I) भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने सालार जंग संग्रहालय बोर्ड में 4 नए सदस्यों को नामित किया है. नए मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष की अवधि के लिए होता है. राज्य सरकार अर्थात तेलंगाना सरकार से 2 और नामांकन अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं. संपूर्ण बोर्ड के पूर्ण होने के बाद सदस्यों को भवन सलाहकार समिति के लिए नामित किया जाएगा.

वित्तीय स्थिति - एक नज़र में
2019-2020

(लाख रु. में)

लेखा शीर्ष	प्राप्त अनुदान	गेट प्राप्तिया व अन्य	कुल	व्यय	कुल	शेष
31-जीआईए-सामान्य	1225.00	223.20	1448.20	31-जीआईए-सामान्य	1380.70	67.50
35 -जीआईए- सीसीए	200.00	-	200.00	35-जीआईए-सीसीए	200.00	0.00
36-जीआईए- वेतन	1295.80	93.72	1389.52	36-जीआईए-वेतन	1314.46	75.06
96.31 स्वच्छ भारत	2.25	-	2.25	96.31 स्वच्छ भारत	2.25	0.00
कुलः	**2723.05**	**316.92**	**3039.97**	**कुलः**	**2897.41**	**142.56**

दर्शक

वित्तीय वर्ष 2015–16 से 2019-20 के दौरान दर्शकों की संख्या दर्शाने वाला तुलनात्मक विवरण निम्नानुसार है :-

वित्त वर्ष	भारतीय दर्शक	गैर-भारतीय दर्शक	राजस्व लाख रु. में
2015-16	13,20,120	8,803	2,04,02,955
2016-17	12,27,577	8,108	2,26,01,030
2017-18	12,83,486	7,763	2,30,38,780
2018-19	13,37,624	8,041	2,39,47,890
2019-20	**12,11,766	6,829	2,10,26,660

****12,11,766** दर्शकों में 3,31,158 बच्चे (अठारह वर्ष से कम आयु के बच्चे) शामिल है,

वर्ष के दौरान 12,18,595 दर्शकों (6,829 गैर-भारतीय दर्शकों सहित) ने संग्रहालय का दौरा किया. प्रवेश टिकटों की बिक्री के जरिए कुल 2,10,26,660/- रु. (गैर- भारतीय दर्शकों से प्राप्त 34,14,500/- रु सहित) का राजस्व प्राप्त हुआ.

वर्ष 2019 - 20 के लिए संग्रहालय की गतिविधियां

अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा 29 अस्थाई प्रदर्शनियां, 1 कार्यशाला, 1 विशेष चर्चा, 8 विशेष व्याख्यान और 14 कार्यक्रम आयोजित किए गए. विवरण निम्नानुसार है :

अस्थाई प्रदर्शनियां

- डॉ.बी.आर.अंबेडकर के 128 वें जन्म दिवस के अवसर पर, संग्रहालय ने दि. 10 अप्रैल 2019 को **"भारत रत्न - डॉ.बी.आर.अंबेडकर"** विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया. इस प्रदर्शनी में डॉ.बी.आर.अंबेडकर के बचपन, शिक्षा, राजनीतिक जीवन इतिहास को शामिल किया गया. प्रदर्शनी में 96 तस्वीरें प्रदर्शित की गईं. प्रो. वी. किशन राव, प्राचीन इतिहास, कला पुरातत्व और संस्कृति विभाग उस्मानिया विश्वविद्यालय (आर एंड बी) के विभागाध्य और माननीय सदस्य सालार जंग संग्रहालय बोर्ड ने प्रदर्शनी का उद्‌घाटन किया.

- विश्व विरासत दिवस के अवसर पर दि.18 अप्रैल 2019 को हैदराबाद की ऐतिहासिक सोसाइटी के सहयोग से संग्रहालय ने **"तेलंगाना के स्मारक"** विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया. तेलंगाना के स्मारकों से संबंधित लगभग 60 तस्वीरें प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गईं. श्रीमती अनुराधा रेड्डी संयोजक इंटैक ने प्रदर्शनी का उद्‌घाटन किया.

- संग्रहालय द्वारा दि. 27-04-2019 को **श्रीनिवास मूर्ति कलाकार के चित्रों** पर अस्थायी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

- बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर दि. 18 मई 2019 को **"बुद्ध और बौद्ध धर्म"** विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. प्रदर्शनी में बुद्ध और बौद्ध धर्म के जीवन को दर्शाने वाली लगभग 50 तस्वीरें प्रदर्शित की गई.

- रमज़ान के पवित्र महीने के अवसर पर, संग्रहालय ने **"गौरवशाली कुरान"** विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया. इस प्रदर्शनी का उद्‌घाटन दि. 23 मई 2019 को किया गया. श्री अली असगर रास्तौगी, प्रथम वाणिज्य दूत, **ईरान के इस्लामी गणराज्य के महावाणिज्य दूतावास,** हैदराबाद ने प्रदर्शनी का उद्‌घाटन किया.

- सालार जंग III के जयंती समारोह के अवसर पर संग्रहालय ने दि. 15 जून 2019 को **“सालार जंग और सालार जंग संग्रहालय”** पर एक अस्थायी प्रदर्शनी का आयोजन किया.

- **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस** के अवसर पर संग्रहालय ने दि.20 जून 2019 को एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया.

- **जगन्नाथ रथयात्रा** के अवसर पर दि. 4 से 12 जुलाई 2019 तक संग्रहालय में एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

- **बोनालू उत्सव** के अवसर पर दि. 8 अगस्त 2019 को संग्रहालय में एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. प्रदर्शनी में गोलकुंडा जगदम्बा, लालदरवाजा सिंहवाहिनी, सिकंदराबाद उज्जैनी, बल्कंपेट एलम्मा माता और बोनालू महोत्सव की अन्य प्रतिष्ठित तस्वीरें प्रदर्शित की गई.

- 72 वें भारतीय स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने **"भारत के स्वतंत्रता आंदोलन 1857 से 1947"** नामक एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दि. 15 अगस्त 2019 को किया गया. प्रदर्शनी में भारत की स्वतंत्रता संग्राम की लगभग 55 तस्वीरें प्रदर्शित की गई.

- **श्री कृष्ण जन्माष्टमी** के अवसर पर दि. 24 अगस्त 2019 को संग्रहालय में एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

- गणेश चतुर्दशी त्यौहार के अवसर पर संग्रहालय ने **"गणेशा"** विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया. भंडार और दीर्घाओं में स्थित कलाकृतियों की तस्वीरें इस प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गईं. संग्रहालय में कलाकृतियों का संग्रह कांस्य पीतल, लकड़ी के संगमरमर, लघु चित्रों और थंका चित्रों में 13-20वीं शताब्दी से है। संग्रहालय संग्रह से लगभग 55 फोटो प्रिंट दि. 2 सितंबर 2019 से प्रदर्शनी में प्रदर्शित किए गए.

- विजयदशमी (दशहरा) के अवसर पर संग्रहालय ने दि. 30 सितंबर 2019 को **"दुर्गा देवी"** विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया. प्रदर्शनी में संग्रहालय के संग्रह से 49 लघु चित्रों, कांस्य पत्थर की कलाकृतियों की तस्वीरें प्रदर्शित की गईं.

- गांधी जयंती के अवसर पर संग्रहालय ने **'महात्मा गांधी'** पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दि. 1 अक्टूबर 2019 को किया गया. प्रो. वी. किशन राव, डॉ जी. कमलाकर, डॉ जय किशन सालार जंग संग्रहालय बोर्ड के माननीय सदस्य उद्घाटन समारोह में उपस्थित हुए.

- इकेबाना के ओहारा स्कूल के हैदराबाद चैप्टर के सहयोग से सालार जंग संग्रहालय ने दि. 1 अक्टूबर 2019 को **इकेबाना प्रदर्शनी** का आयोजन किया. सुश्री सोना चटवानी इंटीरियर डिजाइनर एससी डिज़ाइन स्टूडियो की संस्थापक और चेयरपर्सन ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन समारोह में भाग लिया. डॉ. शशिकला रेड्डी, प्रिंसिपल उस्मानिया मेडिकल कॉलेज उद्घाटन समारोह में उपस्थित हुए.

- सालार जंग संग्रहालय के संयोजन से राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) हैदराबाद ने दि. 9 से 13 अक्टूबर 2019 तक **"शेरवानी"** विषय पर पोशाक प्रदर्शनी का आयोजन किया. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दि. 9 अक्टूबर 2019 को ब्रिटिश उप उच्चायुक्त श्री एंड्रयू फ्लेमिंग ने किया.

- दीपावली त्यौहार के अवसर पर संग्रहालय ने दि. 26 अक्टूबर 2019 को **"लैम्प्स"** विषय पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया. लैम्प्स की तस्वीरें जो दीर्घाओं और भंडार के संग्रह में थी इस प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गईं। नेपाल के 19 वीं शताब्दी के कांस्य लैंप की तस्वीरें एक लघु चित्रकला कांगड़ा स्कूल की है तथा दो आधुनिक चित्र भी प्रदर्शनी में प्रदर्शित किए गए.

- बाल सप्ताह के अवसर पर, ओम साई ललित कला अकादमी के सहयोग से संग्रहालय ने दि. 14 नवंबर 2019 को ओम साई ललित कला अकादमी, हैदराबाद के छात्रों द्वारा "दशरूपा" पर एक आर्ट शो का आयोजन किया। बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकारी को इस आर्ट शो में प्रदर्शित किया गया जो संग्रहालय में आने वाले दर्शकों को आकर्षित किया.

- दि. 18 नवंबर 2019 को संग्रहालय में **"गुरु नानक देवजी"** पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. डॉ रमिंदर कौर पति भाईसंत सिंह गुरुद्वारा कालीघर निवास ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया.

- संविधान दिवस के अवसर पर, संग्रहालय ने 26 नवंबर 2019 को **"संविधान दिवस"** विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी में (क) भारतीय संविधान पुस्तक से 23 प्रिंट (ख) संविधान समिति से संबंधित 6 तस्वीरें (ग) भारतीय संविधान पुस्तक आदि शामिल किए गए,

- सृष्टि फाउंडेशन, हैदराबाद के सहयोग से सालार जंग संग्रहालय ने **"तेलंगाना की विरासत"** विषय पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दि. 26 नवंबर, 2019 को हैदराबाद चैप्टर की संयोजक सुश्री अनुराधा रेड्डी द्वारा किया गया. इस प्रदर्शनी में तेलंगाना के स्मारकों और ऐतिहासिक स्थानों की लगभग 50 तस्वीरें प्रदर्शित की गईं.

- भारत रत्न, डॉ.बी.आर.अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर संग्रहालय ने डॉ बी.आर.अम्बेडकर को श्रद्धांजलि देने के लिए दि. 5 दिसंबर 2019 को **"डॉ बी.आर.अंबेडकर"** विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया.

- दि. 16 दिसंबर 1951 संग्रहालय स्थापना दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने दि. 16 दिसंबर 2019 को **"सालार जंग संग्रहालय"** विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया.
- क्रिसमस त्यौहार के अवसर पर संग्रहालय ने दि. 23-12-2019 को **"मेरी क्रिसमस, ईसा मसीह का जन्म"** विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया. प्रदर्शनी का उद्घाटन आरटी. रेव. डॉ. ए.सी.सोलोमन राज, मेदक में बिशप, मेदक के सीएसआई सूबा. द्वारा किया गया..

- संग्रहालय सप्ताह समारोह के अवसर पर संग्रहालय ने दि. 8 जनवरी 2020 को **"विश्व में संग्रहालय"** विषय पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया.

- गणतंत्र दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने दि. 26 जनवरी 2020 को "भारतीय संविधान और भारत के गणतंत्र दिवस का महत्व" विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया.
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, संग्रहालय ने दि. 25 फरवरी 2020 को "महिलोत्सवम" शीर्षक एक प्रदर्शनी का आयोजन किया. इस प्रदर्शनी में श्री नरसिम्हा गौड रोलु, कलाकार द्वारा बनाई गई चित्रकारी को प्रदर्शित किया गया.
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, संग्रहालय ने **"ब्लूम्स और लूम्स"** विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया. इकेबाना प्रदर्शनी में इकेबाना फूलों की जापानी कला को भव्य रूप से बुना गया है, जो अपने देश में दोनों कालातीत परंपराओं के भारतीय वस्त्रों की बूंदों के साथ सौंदर्य से बुना हुआ है. प्रदर्शनी का उद्‌घाटन दि. 7 मार्च 2020 को श्रीमती तमिलिसै सौंदरराजन, तेलंगाना की माननीय राज्यपाल और अध्यक्षा, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा किया गया था.

- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, राज्य कला दीर्घा के संयोजन से संग्रहालय ने **महिला कलाकारों द्वारा बनाई गई चित्रकारी** पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया. राज्य कला दीर्घा, हैदराबाद के कला शिबिर में प्रदर्शित पेंटिंग्स को इस प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया. इस प्रदर्शनी का उद्‌घाटन दि. 7 मार्च 2020 को श्रीमती तमिलिसै सौंदरराजन, तेलंगाना की माननीय राज्यपाल और अध्यक्षा, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा किया गया था...

कार्यशालाएं / विशेष वार्ता / व्याख्यान / स्मारक व्याख्यान

क. कार्यशाला:

- दि. 26 अप्रैल 2019 को संग्रहालय में **हिंदी के कार्यान्वयन** पर कार्यशाला आयोजित की गई. श्री वेदप्रकाश गौड, निदेशक, हिंदी राजभाषा, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली ने कार्यशाला की अध्यक्षता की. संग्रहालय के कर्मचारियों और अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लिया.

ख. विशेष चर्चा :

1. **"प्रारंभिक भारत में समाज और राज्य के लिए बौद्ध धर्म की प्रतिक्रिया, मतभेद, विरोध और सुधार"** विषय पर एक विशेष चर्चा डॉ अहमद सोहैब, सहायक प्रोफेसर, तुलनात्मक धर्मों और सभ्यताओं का अध्ययन केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, द्वारा दि. 7 जनवरी 2019 को आयोजित किया गया.

ग. विशेष व्याख्यान:

हैदराबाद की ऐतिहासिक सोसाइटी के सहयोग से सालार जंग संग्रहालय ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण के साथ निम्नलिखित विशेष व्याख्यान आयोजित किए.

i) दि. 13 अप्रैल 2019 को **"जलियांवाला बाग नरसंहार"** विषय पर श्री एम.गयासुद्दीन अकबर द्वारा व्याख्यान दिया गया.

ii) दि. 11 मई 2019 को **"शस्त्र और कवच में तेलंगाना का योगदान"** विषय पर डॉ. जयकिशन, संवाददाता और सचिव, न्यू भवन्स् साइंस कॉलेज, हैदराबाद और सदस्य सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा व्याख्यान दिया गया.

iii) दि. 13 जुलाई 2019 को **"दक्खन में उर्दू प्रचलित लकड़ी के ब्लॉक बनाने और चित्रों पर दबाए गए छाप"** विषय पर राजश्री सेनगुप्ता द्वारा व्याख्यान दिया गया.

iv) हैदराबाद की ऐतिहासिक सोसाइटी और इंटैक, हैदराबाद के सहयोग से सालार जंग संग्रहालय में श्रीमती अनुराधा रेड्डी द्वारा दि. 10 अगस्त 2019 को **"बाली के विचारों ने संस्कृतियों को साझा किया"** विषय पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति के साथ एक व्याख्यान का आयोजन किया गया.

v) डॉ. चंदन बोस द्वारा दि. 14 सितंबर 2019 को तेलंगाना के नक़्काशी कलाकारों के आख्यानों में **"हम अपनी छवियों को लिखते हैं"** चित्रों पर एक सचित्र व्याख्यान का आयोजन किया गया.

vi) हैदराबाद की ऐतिहासिक सोसाइटी, स्कल इंटरनेशनल और इंटैक के सहयोग से सालार जंग संग्रहालय ने दि. 12 अक्टूबर 2019 को श्रीमती पी.अनुराधा रेड्डी द्वारा **"तेलंगाना स्मारकों के संरक्षण और रखरखाव"** विषय पर एक सचित्र वार्ता का आयोजन किया गया.

vii) दि. **9 नवंबर 2019** को **"दक्खनी तोपों की गाथा सुंदरियों की उपेक्षा"** विषय पर डॉ. जयकिशन, संवाददाता और सचिव, न्यू भवन्स साइंस कॉलेज, हैदराबाद और सदस्य सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा व्याख्यान दिया गया.

viii) सालार जंग संग्रहालय में दि. 8 फरवरी 2020 को "**पुरातत्व के दृश्यों के पीछे**" विषय पर एक सचित्र वार्ता आयोजित की गई.

घ. स्मारक व्याख्यान

i) सालार जंग III के 130 वें जयंती समारोह के अवसर पर संग्रहालय ने दि. 18 जून 2019 को डॉ फातिमा शहनाज़ द्वारा "नये भारत में सर सालार जंग III की प्रासंगिकता" तथा राष्ट्रीय और सांस्कृतिक पहचान" विषय पर एक स्मारक व्याख्यान की व्यवस्था की.

ii) सालार जंग III की 130 वीं जयंती समारोह के अवसर पर संग्रहालय में दि. 20 जून 2019 को डॉ नसीम अख्तर द्वारा "सालार जंग संग्रहालय की पांडुलिपियां" विषय पर एक स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम

1. **ग्रीष्मकालीन कला शिविर:** संग्रहालय ने दि. 6 - 22 मई 2019 तक नियमित कार्यक्रमों में से एक के रूप में बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन कला शिविर 2019 का आयोजन किया.

छात्रों को उनकी आयु के अनुसार कनिष्ठ (8-11 वर्ष) और वरिष्ठ (12-15 वर्ष) के रूप में वर्गीकृत किया गया. बच्चों को निम्नलिखित विषयों पर प्रशिक्षित किया गया, जैसे (क) योग और कला का महत्व, राष्ट्रीय एकता (ख) भारतीय कला, विरासत जागरूकता और संग्रहालय जागरूकता (ग) पेस्टल पेंसिल चित्रकारी, क्रेयॉन और वॉटर कलर ड्राइंग (घ) प्रदर्शन कला और दृश्य कला (च) वरिष्ठों के लिए कढ़ाई सिलाई, विभिन्न प्रकार के टांकों के साथ पैटर्न भरना और कनिष्ठों के लिए पैटर्न सिलाई (छ) मिट्टी के मॉडल (3 आयाम) आदि, विशेषज्ञों द्वारा उपरोक्त व्याख्यानों के अलावा, संग्रहालय दौरे के अतिरिक्त इतिहास, संस्कृति पर फिल्म शो और अन्य शैक्षिक कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई. सभी प्रतिभागियों के लिए किट भी प्रदान किए गए.

2. **अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस:** दि. 18 मई 2019 को अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस आयोजित किया गया. इस अवसर पर सालार जंग संग्रहालय और इंटैक ने संस्थापक दीर्घा पर निर्देशित यात्रा का आयोजन किया और सुश्री अनुराधा रेड्डी, संयोजक, इंटैक द्वारा भूतल गलियारे में तस्वीरें प्रदर्शित की गई.

3. **सालार जंग III की जयंती:** संग्रहालय के संस्थापक नवाब मीर यूसुफ अली खान, सालार जंग III की जयंती सालार जंग संग्रहालय में दि. 15 से 21 जून 2019 तक मनाई गई. नवाब एहतरम अली खान, माननीय सदस्य, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड ने दि. 15 जून 2019 को समारोह का उद्घाटन किया. प्रो. वी. किशनराव, माननीय सदस्य, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया.

उद्घाटन समारोह के दौरान (क) सर्वश्रेष्ठ कर्मी पुरस्कार, (ख) संग्रहालय कर्मचारियों के वार्डों के लिए शैक्षिक पुरस्कार जिन्होंने अपने शैक्षणिक कैरियर में अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्हें पुरस्कार प्रदान किए गए.

अवधि के दौरान संग्रहालय के कर्मचारियों, केंऔसुब कर्मियों और उनके बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए.

4. **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस:** सालार जंग संग्रहालय में दि. 21 जून 2019 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया. संग्रहालय ने एक योग सत्र का आयोजन किया. सत्र में संग्रहालय और केंऔसुब के कर्मचारियों ने भाग लिया..

5. **पुस्तकपाल दिवस:** पुस्तकालयाध्यक्ष कार्य, प्रलेखन और प्रसार के ज्ञान के क्षेत्र में डॉ एस. रंगनाथन जो पुस्तकालय विज्ञान के जनक हैं की सेवाओं का स्मरण करने के लिए संग्रहालय ने दि. 12 अगस्त 2019 को पुस्तकपाल दिवस मनाया. इस वर्ष संग्रहालय में अंग्रेजी, हिंदी, तेलुगु, अरबी, फारसी और उर्दू में पुस्तक पढ़ने का सत्र आयोजित किया गया.
6. **स्वतंत्रता दिवस:** दि. 15 अगस्त 2019 को संग्रहालय में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया..

7. **हिंदी पखवाड़ा:** दि. 14 से 28 सितंबर 2019 तक संग्रहालय में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हिंदी में वाक, निबंध लेखन और अन्त्याक्षरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए.

8. **राष्ट्रीय एकता दिवस:** सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर, दि. 31 अक्टूबर 2019 को सालार जंग संग्रहालय में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया. इस अवसर पर सालार जंग संग्रहालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा शपथ ली गई. सभी कर्मचारियों ने "एकता की दौड" में भाग लिया और केंऔसुब कर्मियों द्वारा मार्च पास्ट किया गया जिसमें संग्रहालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया.

9. **बाल सप्ताह:** संग्रहालय में दि. 14 - 20 नवंबर, 2019 तक बाल सप्ताह मनाया गया. यह कार्यक्रम हैदराबाद और सिकंदराबाद नगरद्वय के स्कूली बच्चों कनिष्ठ ग्रुप (कक्षा छठी-आठवीं) वरिष्ठ ग्रुप (कक्षा नव्वीं-दसवीं) दोनों के लिए आयोजित किए गए. बाल सप्ताह के दौरान निबंध लेखन, 4 भाषाओं में (अंग्रेजी, हिंदी, तेलुगु और उर्दू) और चित्रांकन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए. लगभग 180 बच्चों ने बाल सप्ताह में भाग लिया.

10. **संग्रहालय स्थापना दिवस:** सालार जंग संग्रहालय स्थापना दिवस दि.16 दिसंबर 2019 को मनाया गया.

11. **संग्रहालय सप्ताह:** सालार जंग संग्रहालय में दि. 8 - 14 जनवरी 2020 तक संग्रहालय सप्ताह मनाया गया. इस अवधि के दौरान प्रवेश टिकटों पर 50% रियायत दी गई. दि. 10 जनवरी 2020 को महिलाओं (तीन आयु ग्रुप) के लिए पारंपरिक "रंगोली" पर प्रतियोगिता आयोजित की गई. संग्रहालय की महिला कर्मी सदस्यों ने भी रंगोली में भाग लिया. विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए.

12. **गणतंत्र दिवस:** दि. 26 जनवरी 2020 को संग्रहालय में गणतंत्र दिवस मनाया गया.

13. **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस:** सालार जंग संग्रहालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया. इस अवसर पर सालार जंग संग्रहालय द्वारा 2 प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया. तेलंगाना के माननीय राज्यपाल और अध्यक्ष सालार जंग संग्रहालय बोर्ड ने दि. 9 मार्च 2020 को प्रदर्शनियों का उद्घाटन किया.

14. सालार जंग संग्रहालय ने दि. 25 जनवरी 2020 को "अपोलो और डाफ्ने" की दुखद कहानी को दर्शाने के लिए एक नाटक का मंचन किया..

विशेषाधिकार प्राप्त बच्चों का दौरा

भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय ने संग्रहालय को दिशानिर्देश जारी किए हैं कि, स्लम क्षेत्रों के सरकारी और निजी स्कूलों के विशेषाधिकार प्राप्त बच्चों को मुफ्त दौरा कराया जाए ताकि उन्हें भारतीय इतिहास, संस्कृति और विज्ञान से संबंधित ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिल सके. इसे सालार जंग संग्रहालय में दि. 8 दिसंबर 2018 से शामिल किया गया था. वर्ष के दौरान 3823 बच्चों ने इस सुविधा का लाभ उठाया. संग्रहालय का दौरा करने वाले छात्रों को मुफ्त परिवहन, जलपान और विशेष किट प्रदान किए गए.

स्वच्छ भारत:

संग्रहालय ने 2014 के बाद से एक विशेष अभियान के अंतर्गत नियमित गतिविधि के रूप में संग्रहालय और उसके आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए "स्वच्छ भारत" के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित किए हैं. केंऔसुब कर्मियों सहित संग्रहालय अधिकारी और कर्मचारी नियमित रूप से संग्रहालय की सफाई की निगरानी करते हैं. सौर छतों सहित भवन के छतों की सफाई की भी निगरानी की जाती है.

दर्शकों, बच्चों को स्वयं और समाज की रक्षा के लिए स्वच्छता के रखरखाव की आवश्यकता पर जागरूकता लाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम, व्याख्यान कार्यशालाएं, स्वच्छ भारत पखवाड़ा आदि भी आयोजित किए गए.

यौन उत्पीड़न

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने अपने दिनांक 24 सितंबर 2019 के जी.ओ.ओ.एम.सं.एफ. 20/12/2018 में कहा है कि, वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करने वाले प्रत्येक संगठन को वर्ष के दौरान कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न और उनके निपटान के मामलों की संख्या अपने संगठन की वार्षिक रिपोर्ट में अधिनियम के तहत शामिल किए जाने चाहिए.

इस संग्रहालय में कार्यस्थल पर महिलाओं के उत्पीड़न पर ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली है और निपटाए गए शिकायतों को कुछ नहीं के रूप में माना जाए.

संग्रहालय गतिविधियां-

i) पांडुलिपि अनुभाग:

अवधि के दौरान मुख्य दैनंदिन गतिविधियां संक्षिप्त में निम्नानुसार है :

दौरा करने वाले विद्वानों की संख्या	-	362
देखे गए पांडुलिपियों की संख्या	-	434
पांडुलिपियों का भौतिक सत्यापन	-	3093

ii) पुस्तकालय अनुभाग

पुस्तकों का अभिगमन	-	230
पुस्तकों का वर्गीकरण	-	66
सूची-पत्र प्रविष्टियां	-	64
पाठकों की संख्या (ओरिएंटल अनुभाग सहित)	-	257
देखी गई पुस्तकें (ओरिएंटल अनुभाग सहित)	-	1476 पुस्तकें जारी की गई
पुस्तकों का भौतिक सत्यापन	-	35965

iii) रसायनिक संरक्षण प्रयोगशाला:

इस अवधि के दौरान विभिन्न श्रेणियों की 316 कलाकृतियों का रसायनिक परिरक्षण और संरक्षण किया गया. इसके अलावा रसायनिक प्रयोगशाला द्वारा 1229 गैर-कलाकृतियों (उर्दु, मुद्रित पुस्तकों की बैंडिंग, फोटोस और रजिस्टरों की मौंटिंग, आदि) का रसायनिक परिरक्षण/संरक्षण किया गया.

i) कलाकृतियों का भौतिक सत्यापन

अवधि के दौरान 12962 कलाकृतियों का भौतिक सत्यापन किया गया.

विकास कार्य

1. दीर्घाओं का पुनर्गठन

(क) आधुनिक प्रदर्शन तकनीक को अपनाते हुए अभी तक 20 दीर्घाओं को पुनर्गठित किया गया है. तीन दीर्घाएं अर्थात दक्षिण भारतीय माइनर आर्टस, यूरोपियन कांस्य और यूरोपियन संगेमरमर दीर्घाओं के पुनर्गठन का कार्य अंतिम चरण में है और जल्द ही इसे खोला जाएगा.

(ख) दीर्घाओं के पुनर्गठन की परियोजनाओं के तहत संग्रहालय ने तीन दीर्घाओं अर्थातः बिदरी दीर्घा, भारतीय मूर्तिकला दीर्घा और भारतीय कांस्य दीर्घा के पुनर्गठन का कार्य किया है.

विस्तार

पूर्वी ब्लॉक का निर्माणः पूर्वी ब्लॉक के द्वितीय तल पर इस्लामिक कला और संस्कृति को दर्शाने वाली एक विशेष दीर्घा का निर्माण किया जा रहा है. सिविल कार्य पूर्ण हो चुके हैं और शोकेस दीर्घाओं जैसे आंतरिक कार्य प्रगति पर हैं,

अंतर क्रियाशीलता केंद्रः संग्रहालय विशेष रूप से बच्चों के लिए अंतर क्रियाशीलता केंद्र का निर्माण कर रहा है जहां बच्चों को संग्रहालय के बारे में बताने से पहले संग्रहालय और उसके संग्रह के बारे में डिजिटल रूप से समझाया जाएगा. गतिविधि क्षेत्र में लगभग 8000 वर्गफुट क्षेत्र जोडा जाएगा. सिविल कार्य प्रगति पर हैं.

ऊर्जा बचत उपाय

- अधिकांश दीर्घाओं को एलईडी प्रकाश व्यवस्था से बदल दिया गया है.
- पारंपरिक एएचयू को नए एएचयू के साथ बदल दिया गया है.
- पॉवर फैक्टर पैनलों को बदल दिया गया है.
- सालार जंग संग्रहालय 600 किवॉपॉ से भी अधिक सोलार पॉवर प्लांट संस्थापित करने वाला सबसे पहला संग्रहालय है. उपर्युक्त बचत उपायों से संग्रहालय ऊर्ज़ा खपत में प्रति वर्ष लगभग 60 लाख रु की बचत कर रहा है.

डिजिटाइज़ेशन

जतन संग्रहण प्रबंधन सॉफ्टवेयरः

- वर्ष के दौरान 6024 कलाकृतियों को मंत्रालय वेबसाइट में अपलोड किया गया. अब तक 46235 कलाकृतियों का डेटा वेबसाइट में अपलोड किया गया.

- संग्रहालय ने पुस्तकालय की पुस्तकों के डिजिटलीकरण का कार्य किया है जो अधिकतर सालार जंग संग्रह से प्राप्त हुई है. अब तक 28229 पुस्तकालय की पुस्तकों को इंट्रानेट पर रखा गया है.

- 4358 पांडुलिपियों को डिजिटाइज कर सरवर पर अपलोड किया गया है. वर्ष के दौरान 1084 पांडुलिपियां डिजिटाइज़ किए गए।

- पुस्तकालय में मुद्रित पुस्तकों की आरएफआईडी टैगिंग की गई. अब तक 43706 मुद्रित पुस्तकों का टैगिंग पूरा हो चुका है.

- संग्रहालय ने गूगल आर्ट प्रॉजेक्ट की वेबसाइट में सालार जंग संग्रहालय को रखने के लिए गूगल आर्ट लिमिटेड के साथ एमओयू करार किया है. गूगल ने दुनिया भर में नागरिकों के लाभ के लिए लगभग 294 तस्वीरें वेबसाइट पर रखी हैं और हाल ही में दो प्रदर्शनियों को भी जोडा गया है.

* * *

सालार जंग संग्रहालय हैदराबाद

वार्षिक लेखा

वर्ष

2019-2020

के लिए

वर्ष 2019 - 2020 के लिए सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का वार्षिक लेखा

विषयसूची

क्र.सं.	विवरण	अनुसूची सं.	पृष्ठ सं. से -तक
1	तुलन पत्र		36
2	आय और खर्च लेखा		37
3	प्राप्तियां व भुगतान लेखा		38-39
अनुसूचियां - तुलन पत्र			
4	कार्पस /पूंजीगत निधि	1	40
5	रिजर्व और अधिशेष	2	40
6	चिह्नित निधि	3	41
7	प्रारक्षित ऋण व उधार	4	41
8	गैर-प्रारक्षित ऋण व उधार	5	41
9	आस्थगित चालू दायिता	6	42
10	चालू दायिता / प्रावधान	7	42
11	नियत परिसंपत्ति	8	43–44
12	चिह्नित / धर्मदाय निधि से निवेश	9	45
13	निवेश - अन्य	10	45
14	रद्दी परिसंपत्ति	10क	45
15	चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम	11	46
अनुसूचियां - आय और खर्च लेखा			
16	विक्रय/सेवाओं से आय	12	47
17	अनुदान / परिदान	13	47
18	शुल्क / अभिदान	14	48
19	निवेश से आय	15	48
20	रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	48
21	अर्जित ब्याज	17	49
22	अन्य आय	18	49
23	नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	18क	49
24	तैयार माल के स्टाक में घट-बढ व चालू कार्य	19	50
25	स्थापना व्यय	20	50
26	अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	51
27	केंऔसुब के भुगतान	21क	52
28	पूर्ववर्ति अवधि समायोजन	21ख	52
29	अनुदान, परिदान आदि पर व्यय	22	52
30	ब्याज	23	52
लेखा पर टिप्पणियां			
31	विशिष्ट लेखा नीतियां और लेखा पर टिप्पणियां	24 व 24क	53 – 54
32	आकस्मिक दायिता	25	55 – 56
33	ऋण, अग्रिम और I) अन्य परिसंपत्तियां II) कर्मचारी अग्रिम	(अनु-11ख)	57
	चालू दायिता	(अनु-7)	57
कर्मचारी - सामान्य भविष्य निधि लेखा			
34	सामान्य भविष्य निधि तुलन पत्र		58
35	प्राप्तियां और भुगतान		58
36	सामान्य भविष्य निधि लेखा (ब्राडशीट के अनुसार)		58
37	सामान्य भविष्य निधि निवेश अनुसूची-I		59
38	सामान्य भविष्य निधि जमा व निकासी (नकद पुस्तिका के अनुसार) अनुसूची-II		59
39	सामान्य भविष्य निधि जमा व निकासी (ब्राडशीट के अनुसार) अनुसूची-III		60
40	लेखा परीक्षा रिपोर्ट		61 - 64

वित्तीय विवरणी (गैर - लाभ संगठन)
सालार जंग संग्रहालय
दि. 31 मार्च 2020 को तुलनपत्र

(राशि-रुपयों में)

कार्पस/पूंजी, निधि और दायिता	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	अनुसूची
कार्पस/पूंजी निधि	593510231	606041812	1
आरक्षिति और अधिशेष	10102241	10190905	2
चिह्नित/धर्मदाय निधि	256248	239870	3
प्रारक्षित ऋण और उधार	-	-	4
गैर प्रारक्षित ऋण और उधार	-	-	5
आस्थगित दायिता	-	-	6
चालू दायिता और प्रावधान	21991805	7917115	7
कुल - दायिता	**625860525**	**624389702**	
परिसंपत्तियां	**चालू वर्ष**	**पिछला वर्ष**	**अनुसूची**
नियत परिसंपत्तियां - खंड ब्लॉक			**8**
i) वर्ष के आरम्भ में	922195047	842249102	
ii) वर्ष के दौरान जोड	17804655	79945945	
iii) वर्ष के अंत में (i + ii)	939999702	922195047	
घटाएं: मूल्यह्रास	388960711	353475286	
शुद्ध राशि:	551038991	568719761	
जोड : चल रहे पुंजीगत कार्य	39656237	36725892	
कुल नियत परिसंपत्तियां:	**590695228**	**605445653**	**8**
निवेश – चिह्नित / धर्मदाय निधियों से	256248	239870	9
निवेश - अन्य	-	-	10
रद्दी परिसंपत्तियां	-	-	10A
चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि.	34909049	18704179	11
विविध व्यय (समायोजन किया गया या बट्टे खाते में न डाला गया)	-	-	
कुल - परिसंपत्तियां	**625860525**	**624389702**	

सालार जंग संग्रहालय
दि. 31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए आय और खर्च का लेखा

(राशि-रु में)

	आय	चालू वर्ष		पिछला वर्ष		अनुसूची
क	बिक्री / सेवाओं से आय		26564085		31351040	12
ख	(i) केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदान :	272305000		269480000		
घटाएं:	ii) अप्रयुक्त अनुदान	14255628		-		13
	(iii) निवल (i - ii)	258049372		269480000		
जोडें:	(iv) पिछले वर्ष का अप्रयुक्त अनुदान पुन:वैधित	-		7125619		
	(v) मंत्रालय को देय ब्याज समायोजित	-		1042825		
	वर्ष के दौरान प्रयुक्त अनुदान (iii + iv)	258049372		277648444		
घटाएं:	पूंजीगत लेखाओं के लिए प्रयुक्त अनुदान	20000000		25000000		
	कार्पस/पूंगीगत निधि को अंतरित: (अनुसूची-1 देखें)					
निवल	(ख) राजस्व लेखाओं के लिए प्रयुक्त अनुदान		238049372		252648444	
ग	सोलार पॉवर प्लांट के लिए एमएनआरई (*) से प्राप्त सहायता राशि		735000		1482300	
घ	शुल्क / अभिदान		-		-	14
	निवेश से आय - चिह्नित / धर्मदाय निधि	16378		13918		15
	चिह्नित/धर्मदाय निधि से आय निधि लेखा को अंतरित (अनुसूची 9 देखें)	(-) 16378		(-) 13918		
च	रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय		1382		289	16
छ	मंत्रालय को देय ब्याज		1763706		3120710	17
ज	अन्य आय		4536069		4208688	18
झ	सहायता प्राप्त सोलार पॉवर प्लांट से आस्थगित आय		823664		745283	8&2
ट	स्थायी परिसंपत्ति की बिक्री से प्राप्त राशि		-		-	18A
ठ	स्टॉक (प्रकाशनों) में वृद्धि (+) / कमी (-)		537310		(-)18113	19
	कुल (क)		**273010588**		**293538641**	
	व्यय	**चालू वर्ष**		**पिछले वर्ष**		
क	स्थापना व्यय		123825146		137755023	20
ख	प्रशासनिक व अनुरक्षण व्यय		56848957		52757575	21
ग	केंऔसुब पर व्यय		89382641		104659826	21A
घ	पूर्व अवधि लेनदेन / समायोजन		-		2399104	21B
च	अनुदान आदि पर व्यय		-		-	22
छ	ब्याज		-		-	23
ज	वर्ष के लिए मूल्य ह्रास (अनुसूची - 8 देखें)		35485425		27809695	
	कुल (ख)		**305542169**		**325381223**	
	आय से अधिक व्यय का शेष अधिक आय (ख-क)		**32531581**		31842582	
	पूंजीगत आरक्षिति को अंतरित (अनुसूची - 2 देखें)		735000		1482300	
	सामान्य रिज़र्व से / को अंतरित		-		-	
	शेष (घाटा) कार्पस / पूंजीगत निधि को अग्रेनीत- (अनुसूची 1 देखें)		**33266581**		**33324882**	

(*) एमएनआरई – नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (अनुसूची – 24क के अंतर्गत नोट 5ख देखें)

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां व भुगतान

(राशि रु.में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I अथ शेष		
क) हाथ नकदी	217002	126040
ख) बैंक में शेष		
I. चालू खाते में	10174762	3168605
ii. जमा खाते में	-	15000000
iii. बचत खाते म	-	-
कुल - I	**10391764**	**18294645**
II प्राप्त अनुदान		
क) केंद्र सरकार से		
क) सामान्य - केऔसुब और संग्रहालय अनुरक्षण (एच 31)	122500000	125000000
ख) पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन (एच 35)	20000000	23000000
ग) कर्मचारी वेतन (एच 36)	129580000	121180000
घ) स्वच्छ भारत (96.33)	225000	300000
कुल - II	**272305000**	**269480000**
ख) राज्य सरकार से	-	-
ग) अन्य स्रोतों से	-	-
III टिकटों की बिक्री से आय	**26388460**	**30973840**
IV निम्नलिखित से निवेश पर आय		
क) चिह्नित / धर्मदाय निधि	-	-
ख) अपनी निधि (अन्य निवेश)	-	-
पृष्ठ कुल अग्रेनीत	**309085224**	**318748485**

भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I व्यय: (स्थापना, प्रशासनिक आदि)		
क) स्थापना व्यय	123790146	137755023
ख) प्रशासनिक व रखरखाव व्यय	42268142	41017379
ग) प्रकाशनों का मुद्रण	537310	-
घ) कर्मचारी अग्रिम	-	1000000
च) बयाना धन की वापसी	1108590	406012
छ) टीडीएस, जीएसटी और सेस	1087478	-
ज) छात्रवृत्ति	725000	-
कुल - I	**169516666**	**180178414**
II किए गए निवेश व जमा		
I. चिह्नित निधियों से	-	-
ii. अपनी निधियों से (निवेश-अन्य)	-	-
III (क) व्यय (पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन)		
1 भवन परियोजना (नया)	8569304	7851646
2 विद्यमान भवन विकास	1167918	2305216
3 दीर्घाओं का पुर्नगठन	6591156	10271652
4 उपकरण आदि का संरक्षण	91533	258575
5 सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन	1220257	1821326
6 डिजिटाइजेशन और प्रलेखन	2052026	44750
7 जन सुविधाएं	206295	177000
8 संरक्षण - पुस्तकालय, पांडुलिपियां	101511	269835
9 सोलार पावर प्लांट का अग्रिम	-	-
कुल - II (सीसीए)	**20000000**	**23000000**
पृष्ठ कुल अग्रेनीत	**189516666**	**203178414**

(राशि रु.में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कुल शेष अग्रानीत	**309085224**	**318748485**	**कुल शेष अग्रानीत**	**189516666**	**203178414**
V निम्नलिखित पर प्राप्त ब्याज			**III (ख) व्यय (अन्य)**		
1 बैंक में जमा टीडीआर	645707	195483	1 .सांस्कृतिक व जन शिक्षा	2470026	1613581
2 बचत खाता	-	1324276	2 संरक्षण	878605	599281
3 विध्युत जमा और अन्य	-	490551	3 पुस्तकालय	1402653	1055308
4 कर्मचारी अग्रिम	978641	1110400	4 पांडुलिपी	349104	644013
कुल - V	**1624348**	**3120710**	5 फोटोग्राफी	73436	125275
			6 डिजिटाइजेशन और प्रलेखन	1129914	1649630
VI अन्य आय (उल्लेख करें)			7 सुरक्षा उपकरण का अनुरक्षण	7272096	5798426
क) प्रकाशनों की बिक्री	-	100675	8 केंऔ.सु.ब. की प्रतिनियुक्ति	88620357	104659826
ख) पट्टा किराया	3158521	4681912	9 स्वच्छ भारत अभियान	225000	300000
ग) विविध प्राप्तियां	247265	-	**कुल - III**	**102421191**	**116445340**
घ) अन्य आय (तोलन मशीन, रद्दी बिक्री)	273823	588467	**IV अतिरिक्त धन/ऋण की धनवापसी**		
			क) भारत सरकार को	-	-
कुल - VI	**3679609**	**5371054**	ख) राज्य सरकार को	-	-
			ग) ऋण देनेवालों को	-	-
VII अन्य कोई प्राप्तियां / वसूलियां			**V वित्त प्रभार**	-	-
क) कर्मचारी अग्रिम	738176	629804	**VI अन्य भुगतान**	-	-
ख) बयाना जमा रकम	954353	1252823	**VII इतिशेष**		
ग) परिपरिसंपत्तियों की बिक्री	-	-	क) हाथ नकदी	20164	217002
घ) टीडीएस जीएसटी और सेस	1551600	20504	ख) बैंक में शेष		
च) बैंक गारंटी जमा की रिहाई	-	300000	i) चालू खाते में	25675289	10174762
छ) पेंशन निधि जमा		572138	ii) जमा खाते में	-	-
कुल - VII	**3244129**	**2775269**	iii) बचत खाते में	-	-
			कुल - VII	**25695453**	**10391764**
कुल	**317633310**	**330015518**	**कुल**	**317633310**	**330015518**

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2020 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 1 - कार्पस/पूंजीगत निधि:	**चालू वर्ष**		**पिछला वर्ष**	
(क) वर्ष के आरंभ में शेष	992917238		967917238	
जोड़ें: वर्ष के लिए कार्पस/पूंजीगत निधि के प्रति अभिदान (सीसीसी फंड + सब्सिडी)	20735000		25000000	
वर्ष के अंत में कुल :		1013652238		992917238
	386875426		353550544	
(ख) पिछले वर्ष से लाया गया आय से अधिक व्यय शेष				
जोड़ें: आय और व्यय लेखे से अंतरित अधिक व्यय शेष	33266581		33324882	
घटाएं: कुल आय से अधिक व्यय		420142007		386875426
कुल (क - ख)		**593510231**		**606041812**

(राशि रु.में)

अनुसूची 2 - आरक्षितियां व अधिशेष	**चालू वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1 **पूंजी आरक्षिति**		
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार	10190905	9453888
वर्ष के दौरान जोड	735000	1482300
घटाएं: कटौतियां (आय और व्यय लेखा को अंतरण)	823664	745283
वर्ष के अंत तक शेष	10102241	10190905
2 **आरक्षिति व अधिशेष**	-	-
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान जोड		
.घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		
वर्ष के अंत तक शेष		
3 **विशेष आरक्षिति**	-	-
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान जोड		
.घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		
वर्ष के अंत तक शेष		
4 **साधारण आरक्षिति**	-	-
पिछले वर्ष के लेखे के अनुसार		
वर्ष के दौरान जोड		
.घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		
वर्ष के अंत तक शेष		
कुल	**10102241**	**10190905**

नोट:रु. 8,23,664 के आस्थगित व्यय को इसी मूल्यह्रास प्रभारित में कटौति की गई.(अनुसूचि 24 (क) के अंतर्गत नोट 5(ख) देखें)

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2020 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 3 - चिह्नित/ धर्मदाय निधि:	निधि-वार कोटि			कुल	
	सालार जंग संग्रहालय स्वर्ण पदक निधि	एनआरआई द्वारा दान की गई भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि	(स्वर्गीय) श्री सुब्बा रामी -रेड्डी व राजम्मा छात्रवृत्ति	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) प्रारंभिक शेष (एफडीआर में निधि का अंकित मूल्य	85425	75204	47707	208336	208336
ख) निधि में जोड़ दान/अनुदान	-	-	-	-	-
ग) **ब्याज अर्जित परंतु देय नहीं (अनंतिम)**					
i) पिछले वर्ष के अंत तक	11517	13586	6431	31534	
ii) वर्ष के लिए उपार्जित ब्याज	6427	6362	3589	16378	
iii) चालु वर्ष के अंत तक कुल	17944	19948	10020	47912	31534
घ) कुल क + ख + ग (iii)	103369	95152	57727	256248	239870
च) उपयोगिता/निधि के प्रयोजनो के प्रति व्यय	-	-	-	-	-
i. **पूंजीगत व्यय**					
- स्थिर परिसंपत्ति					
- अन्य					
कुल च (I)					
ii. **राजस्व व्यय**					
वेतन, मज़दूरी और भत्ता आदि					
- किराया					
अन्य प्रशासनिक व्यय					
कुल च (ii)					
कुल (ग)	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में कुल शेष (घ - च)	**103369**	**95152**	**57727**	**256248**	**239870**

नोट 1 अथशेष 2016-17 (रु 208336) में नवीनीकृत एफडी के अंकित मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है
2 टीडीएस कटौती स्रोत, यदि कोई हो, विवरण के लिए उपलब्ध नहीं कराया गया है.
3 (एसबीआई) बैंक द्वारा प्रमाणित वर्ष के लिए अर्जित ब्याज (16378 रु.)

(राशि रु.में)

अनुसूची 4 - प्रारक्षित ऋण और उधार :	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 केंद्र सरकार	-	-
2 राज्य सरकार (उल्लेख करें)		
3 वित्तीय संस्थान क) आवधिक ऋण		
ख) प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
4 बैंक: क) आवधिक ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
ख) अन्य ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
5 अन्य संस्थान व एजेन्सियां		
6 डिबेंचर व बांड		
7 अन्य (उल्लेख करें)		
कुल	-	-

नोट: एक वर्ष के भीतर देय रकम

(राशि रु.में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण और उधार :	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 केंद्र सरकार	-	-
2 राज्य सरकार (उल्लेख करें)		
3 वित्तीय संस्थान		
क) आवधिक ऋण		
ख) प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
4 बैंक: क) आवधिक ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
ख) अन्य ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
5 अन्य संस्थान व एजेन्सियां		
6 डिबेंचर व बांड		
7 सावधि जमा		
8 अन्य (उल्लेख करें)		
कुल	-	-

नोट: एक वर्ष के भीतर देय रकम

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2020 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

अनुसूची 6 - आस्थगित चालु देयता	चालु वर्ष	पिछला वर्ष
क) पूंजीगत उपस्कर तथा अन्य परिसंपत्तियों को गिरवी रखते हुए प्रारक्षित स्वीकारोक्तियां	-	-
ख) अन्य		
कुल	-	-

अनुसूची 7 - चालु दायित्व व प्रावधान	चालु वर्ष	पिछला वर्ष
क. चालू दायित्व		
1 स्वीकारोक्तियां	-	-
2 विविध लेनदार		
. क) माल के लिए	-	-
. ख) अन्य के लिए	11535	11535
3 प्राप्त अग्रिम राशि		
. क) साइकल स्टैंड पट्टे की रकम	-	406850
. ख) अन्य		
4 उपार्जित ब्याज परंतु देय नहीं		
. क) प्रारक्षित ऋण /उधार		
. ख) अप्रारक्षित ऋण /उधार		
5 सांविधिक देयताएं		
क) अतिशोध्य	-	-
. ख) अन्य – जीएसटी	489714	63632
6 अन्य चालू देयताएं		
. क) पुनर्वैधीकरण के लिए प्रस्तावित खर्च न किया गया अनुदान	14255628	-
ख) बयाना रकम / प्रतिभूति जमा (कृपया अनुबंध देखें)	6367547	6521784
ग) सोलार पॉवर प्लांट के लिए टीएसआरईडीसीओ को देय राशि	-	529036
7 बकाया देयताएं - राजस्व लेखा		
i. छुट्टी वेतन और पेंशन अभिदान	-	-
ii. महालेखाकार को देय लेखा परीक्षा शुल्क	200000	200000
iii. सीआईएसएफ को भुगतान	-	-
iv. पेंशन व सेवानिवृत्ति लाभ का भुगतान	-	-
v. देय वेतन व भत्ता, बोनस,छुट्टी यात्रा रियायत,समयोपरी भत्ता इत्यादि	35000	-
vi. टेलीफोन प्रभार इत्यादि	9880	9278
vii. कर्मचारियों को जीपीएफ अभिदान पर ब्याज	-	-
viii रखरखाव व्यय	422501	-
ix. विधि व्यय	-	-
x. आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	200000	175000
कुल - क	21991805	7917115
ख. प्रावधान		
कराधान		
उपदान	..	..
संचित छुट्टी नकदीकरण	..	..
अधिवार्षिता पेंशन	..	..
कुल - ख	..	..
कुल (क + ख)	**21991805**	**7917115**

सालार जंग संग्रहालय

दि.31 मार्च 2020 को नियत परिसंपत्तियां और चल रहे कार्य

(राशि रु.में)

अनुसूची 8 नियत परिसंपत्तियां	सकल ब्लाक					मूल्यह्रास				निवल ब्लाक	
परिसंपत्ति का नाम	वर्ष के आरंभ में कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्द्धन	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में कीमत/ मूल्यांकन	मूल्य-ह्रास की दर %)	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान समायोजन/ कटौतियां	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
(क) नियत परिसंपत्तियां											
1 भूमि	1795603			1795603						1795603	1795603
2 भवन											
- संग्रहालय	455760014	174959	-	455934973	1.63	75013183	7430314	-	82443497	373491476	380746831
- अग्नीशमन	3814651	-	-	3814651	1.63	590699	62179	-	652878	3161773	3223952
- मौजुदा भवन विकास	6209340	-	-	6209340	1.63	50606	101212	-	151818	6057522	6158734
3 यंत्र, संयंत्र और उपस्कर			-								
- डीज़ल जनरेटर व ए सी प्लांट	7847485	-	-	7847485	7.07	4754624	554817	-	5309441	2538044	3092861
- संयत्र उपस्कर व औजार	7433024	-	-	7433024	4.75	3843678	353069	-	4196747	3236277	3589346
- फायर हाईड्रंट / अलार्म	39082192	556938	-	39639130	7.07	22031837	2782799	-	24814636	14824494	17050355
4 वाहन	1805470	-	-	1805470	9.50	1505124	171520	-	1676644	128826	300346
5 फर्नीचर व फिक्सचर	16510530	327250	-	16837780	6.33	13279205	1055473	-	14334678	2503102	3231325
6 शोकेस व वॉल पैनलिंग	2315543	418863	-	2734406	9.50	2315543	19896	-	2335439	398967	-
7 दीर्घाओं का पुनर्गठन	110553807	926428	-	111480235	9.50	102252179	8345633	-	110597812	882423	8301628
8 फाल्स सीलिंग	11584412	2200000	-	13784412	6.33	4299425	802923	-	5102348	8682064	7284987
9 डिसप्ले ऑफिस	378220	-	-	378220	6.33	378220	-	-	378220	-	-
10 विद्युत व अन्य उपस्कर			-								
- विद्युत व कार्यालय उपस्कर	33104372	1335650	-	34440022	4.75	15799008	1604180	-	17403188	17036834	17305364
- फोटोग्राफी उपस्कर	2164067	-	-	2164067	4.75	1266561	102793	-	1369354	794713	897506
- डिजिटलैजेशन व प्रलेखीकरण	942318	2052026	-	2994344	4.75	67140	93496	-	160636	2833708	875178
- रसायनिक प्रयोगशाला उपस्कर	6782494	11233	-	6793727	4.75	1813950	322435	-	2136385	4657342	4968544
- सुरक्षा उपस्कर	25526913	-	-	25526913	4.75	14516923	1212528	-	15729451	9797462	11009990
- सामूहिक शिक्षा	2798135	-	-	2798135	4.75	1987953	132911	-	2120864	677271	810182
- जन संबोधन प्रणाली	8935341	278700	-	9214041	4.75	3342476	431048	-	3773524	5440517	5592865
- टाइपराइटर्स	139873	-	-	139873	4.75	126236	6644	-	132880	6993	13637
- कैलकुलेटर्स	20526	-	-	20526	4.75	17670	975	-	18645	1881	2856
11 कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	**4567769**	**226300**	**-**	**4794069**	**16.21**	**4519478**	**66633**	**-**	**4586111**	**207958**	**48291**
कुल अग्रानीत	**750072099**	**8508347**	**-**	**758580446**		**273771718**	**25653478**	**-**	**299425196**	**459155250**	**476300381**

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
कुल अग्रानीत	**750072099**	**8508347**	**-**	**758580446**		**273771718**	**25653478**	**-**	**299425196**	**459155250**	**476300381**
12 विद्युत प्रतिष्ठान			-								
- दीर्घाओं का वातानुकूलन	21269029	8348408	-	29617437	4.75	12722121	1208554	-	13930675	15686762	8546908
- सोलार पॉवर प्लांट	33094953	-	-	33094953	7.07	6669691	2339813	-	9009504	24085449	26425262
- सोलार पॉवर प्लांट (सहायता प्राप्त)	11282630	735000	-	12017630	7.07	1091725	823664	-	1915389	10102241	10190905
- सीसीटीवी उपस्कर	76732641	128789	-	76861430	7.07	46208460	5429551	-	51638011	25223419	30524181
13 पुस्तकालय के पुस्तक	10665557	84111	-	10749668	-			-	-	10749668	10665557
14 कलाकृतियों की कीमत	3251008	-	-	3251008	-			-	-	3251008	3251008
15 पांडुलिपियां व माइक्रोफिल्म	2342154	-	-	2342154	-			-	-	2342154	2342154
16 अन्य नियत परिसंपत्तियां								-			
- साइकल स्टैंड	40506	-	-	40506	3.34	25707	1353	-	27060	13446	14799
- इंडेक्स कैबिनेट	3569279	-	-	3569279	9.50	3569279		-	3569279	-	-
- अल्युमिनियम पार्टिशन	454707	-	-	454707	6.33	447180	7527	-	454707	-	7527
- पानी का फव्वारा	302220	-	-	302220	3.34	186485	10094	-	196579	105641	115735
- शेड (सुरक्षा चेक पाइंट)	341040	-	-	341040	3.34	5696	11391	-	17087	323953	335344
17 भंडार का आधुनिकीकरण	**8777224**	**-**	**-**	**8777224**	**9.50**	**8777224**	**-**	**-**	**8777224**	**-**	**-**
कुल - (क)	922195047	17804655	-	939999702	-	353475286	35485425	-	388960711	551038991	568719761
पिछले वर्ष के आंकडे	842249102	79945945	-	922195047	-	325665591	27809695	-	353475286	568719761	516583511
(ख) पूंजीगत चल रहे कार्य											
क) भवन कार्य											
- नये प्रॉजेक्ट भवन	5166525	8569304	1274429	12461400						12461400	5166525
- मौजुदा भवन विकास (*)	-	1167918	578313	589605						589605	-
ख) दीर्घाओं का वातानुकूलन	21359367	6591156	1345291	26605232						26605232	21359367
ग) उपकरणों का संरक्षण		91533	91533	-							
घ) सुरक्षा उपकरणों का यूजी		1220257	1220257	-							
च) डिजिटलैजेशन व प्रलेखीकरण		2052026	2052026	-							
छ) जन सुविधाएं		206295	206295	-							
ज) पुस्तकालय, पांडुलिपि संरक्षण		101511	101511	-							
कुल जोड (2019-20)		20000000	6869655	39656237							
झ) फाल्स सीलिंग (दीर्घाएं)	2200000	-	2200000	-						-	2200000
ट) दीर्घाओं का वातानुकूलन	8000000	-	8000000	-						-	8000000
ठ) सोलार पॉवर प्लांट(60KWp)के लिए सहायता		735000	735000	-					-	-	
कुल - (ख)	**36725892**	**20735000**	**17804655**	**39656237**	**-**					**39656237**	**36725892**
कुल (क + ख)	**958920939**			**979655939**	**-**	**353475286**	**35485425**	**-**	**388960711**	**590695228**	**605445653**

1. मंत्रालय द्वारा वर्ष के दौरान जारी किए गए सीसीए फंड से किए गए पूंजीगत व्यय को शुरु में (बी) डब्ल्यूआईपी में परिवर्द्धन के तहत दिखाया गया है और संपूर्ण वस्तुओं को संबंधित श्रेणियों में घटाया और जोडा गया है.
2. (*) बुकिंग कार्यालय के उन्नयन के लिए मौजूदा भवन विकास व्यय (रु 22,00,000), 3.दीर्घाओं का पूंजीकरण (रु 9,26,428) में यूरोपियन फर्नीचर (रु 5,80,650); हाथी दंत (रु 2,55,888); लघु चित्रकला (रु 50,000) और वस्त्र (रु 39,890); इसके अलावा वातानुकूलन (रु 80,00,000) और पूर्वी ब्लॉक दीर्घाओं की फाल्स सीलिंग (रु 22,00,000). शामिल है. 4.डब्ल्यूआईपी दीर्घाओं (रु. 266,05,232) में बिद्रीवेयर (रु. 38,32,386); इस्लामिक कला (रु. 88,39,540); भारतीय मूर्तिकला (रु. 20,57,676) और दक्षिण भारतीय कांस्य (रु. 57,03,337) 2018-19 तक का खर्च + रु. 61,72,293 2019-20.कां खर्च शामिल है. 5. एमएनआरई द्वारा 60 kwp सोलार पॉवर प्लांट पर स्वीकृत सब्सिडी (रु.7,35,000) और टीएसआरईडीसीओ से प्राप्य राशि को संग्रहालय द्वारा देय राशि के विरुद्ध समायोजित किया जाता है और शुद्ध राशि (रु.2,05,964) टीएसआरईडीसीओ से देय दिखाई जाती है. नियत परिसंपत्तियों के लिए अतिरिक्त (रु.178,04,655) में अनुदान से जोडे गए परिसंपत्तियां (रु. 170,69,655) + सबसिडी (रु. 7,35,000) शामिल है.

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2020 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 9 - चिह्नित/धर्मदाय निधियों से निवेश	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर व बांड	-	-
5. सहायकी और संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य - राष्ट्रीयकृत बैंकों में आवधिक जमा	-	**208336**

धर्मदाय निधि	एफडी के नवीकृत मूल्य	पिछली नवीकृत तारीख	नवीकृत की अवधि	ब्याज दर (प्रतिशत) %	31.03.2019 तक उपार्जित ब्याज	वर्ष के अंत तक
1 सालार जंग संग्रहालय स्वर्ण निधि	85425	5.3.2017	5	6.5	17944	103369
2 एनआरआई भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि	75204	1.9.2016	4	7	19948	95152
3 (स्वर्गीय) श्री सुब्बा रामी रेड्डी व राजम्मा छात्रवृत्ति	47707	5.3.2017	5	6.5	10020	57727
	208336				47912	256248

(राशि रु.में)

अनुसूची 10 – निवेश - अन्य	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 सरकारी प्रतिभूतियों में		
2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3 शेयर		
4 डिबेंचर व बांड		
5 सहायक व संयुक्त प्रयास		
6 अन्य (उल्लेख किया जाए)		
कुल	-	-

(राशि रु.में)

अनुसूची 10 - क रद्दी परिसंपत्ति	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
रद्दी परिसंपत्ति	-	-
कुल	-	-

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2020 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 11 - चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 **वस्तु सूची:**		
क) भंडार व पुर्जे	..	..
ख) खुले औज़ार	..	..
ग) स्टाक – इन-ट्रेड	..	..
i) तैयार माल	..	..
ii) चालू काम	..	..
iii) कच्चा माल	..	..
प्रकाशन व कैसेटों का अंतिम माल (अनु.19 देखें)	1276371	739061
2 **विविध ऋणी**		
क) छ: महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	-	-
ख) अन्य	-	-
3 **हथगत में शेष राशि (कैश बैलेन्स इन हैंड)**	**20164**	**217002**
(चेक / ड्राफ्ट व अग्रदाय सहित)		
4 **बैंक बैलेन्स:**		
क) अनुसूचित बैंकों में:		
i) चालू खाते में	25675289	10174762
ii) जमा खाते में (एफडी)	-	-
iii) बचत खाते में	-	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में	-	-
i) चालू खाते में		
ii) जमा खाते में		
iii) बचत खाते में		
5 **डाक घर-बचत खाता**		
कुल - क	**26971824**	**11130825**
ख. ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्ति		
1 **ऋण**		
क) कर्मचारी अग्रिम (अनुलग्नक देखें)	1851084	2589260
ख) एलटीसी / यात्रा भत्ता अग्रिम लंबित अंतिम निपटारा	-	-
ग) अन्य सत्ताएं जो समरूप गतिविधियों/प्रयोजनों में व्यस्त हों	-	-
घ) अन्य (उल्लेख करें)	-	-
2 **नकद या उपाहार या मूल्य के लिए प्राप्य वसूलीय अग्रिम और अन्य रकम**	**-**	**-**
क) पूंजीगत खाते पर	-	-
ख) पूर्व भुगतान (वार्षिक अनुरक्षण ठेका)	79492	23161
ग) अन्य जमा व अग्रिम (अनुलग्नक देखें)	4213858	4213858
घ) सोलार प्लांट (60किवांपा) के लिए टीएसआरईडीकं से प्राप्य सहायक राशि	205964	-
च) साईकल स्टैंड ठेकेदार (पट्टे का किराया)	450000	-
छ) एचएचईसी से किराया - विद्युत प्रभार	192238	82277
ज) टीएसटीडीसी - कैफेटेरिया किराया कमीशन, विद्युत और जल प्रभार	380392	196462
झ) टीएसटीडीसी सूचना सेंटर - किराया और विद्युत प्रभार	27665	25890
ट) एसबीआई एटीएम सेंटर - किराया और विद्युत प्रभार	20100	10108
ठ) शॉप - किराया, विद्युत और जल प्रभार	78618	94542
ड) अन्य देय - वसूली योग्य किराये पर जीएसटी	-	39340
ढ) - एलएस और पीसी - (श्रीमती केदारेश्वरी)	298456	298456
3 **उपार्जित आय लेकिन देय नही :**		
क) चिह्नित/धर्मदाय निधि से निवेश पर	-	-
ख) निवेशों पर- अन्य (सामान्य भविष्य निधि लेखे पर)	-	-
ग) ऋण और अग्रिमों पर	-	-
घ) अन्य (विद्युत जमा पर ब्याज)	139358	-
4 **बिल / प्राप्य दावे - प्रकाशनों की लागत**	-	-
कुल (ख)	**7937225**	**7573354**
कुल चालू परिसंपत्तियां (क + ख)	**34909049**	**18704179**

सालार जंग ससंग्रहालय
दि.31 मार्च 2020 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 12 - बिक्री/सेवा से आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 बिक्री से आय		
क. तैयार माल की बिक्री		...
ख. कच्चे माल की बिक्री		...
स्कैप की बिक्री	175625	377200
2 सेवाओं से आय		
क. मज़दूरी व प्रक्रिया किए जाने का प्रभार		
ख. व्यावसायिक/परामर्श सेवा		
ग. एजन्सी कमीशन व ब्रोकरेज		
घ रखरखाव सेवाएं (उपस्कर/परिसंपत्ति)		
च. अन्य (उल्लेख करें)		
3. प्रवेश टिकटों की बिक्री	26388640	30973840
कुल	**26564085**	**31351040**

(राशि रु.में)

अनुसूची 13 - प्राप्त अनुदान/ सहायक अनुदान	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
1) केंद्र सरकार - वर्ष के दौरान				
क i) एच.31 - सामान्य (केऔसुब तथा संग्रहालय अनुरक्षण)	122500000		125000000	
ii) एच.35 - परिसंपत्तियों के लिए पूंजीगत अभिदान(सीसीए)	20000000		23000000	
iii) एच.36 - वेतन	129580000		121180000	
iv) एच.96.33 - स्वच्छ भारत	225000		300000	
कुल- क		**272305000**		**269480000**
ख घटाएं: खर्च न किए गए अनुदान				
i) सामान्य		..		
ii) परिसंपत्तियों के लिए पूंजीगत अभिदान		..		
iii) वेतन		..		
iv) स्वच्छ भारत		..		
कुल - ख		**14255628**		
ग वर्ष के दौरान खर्च किया गया कुल अनुदान (क - ख)		258049372		269480000
2 राज्य सरकार		..		..
3 सरकारी एजेंसियां		..		..
4 संस्थानें / कल्याण निकाय		..		..
5 अंतर्राष्ट्रीय संगठन		..		..
6 अन्य (उल्लेख करें)		..		..
कुल		**258049372**		**269480000**

सालार जंग ससंग्रहालय
दि.31 मार्च 2020 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 14 -शुल्क / अभिदान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) प्रवेश शुल्क	-	-
2) वार्षिक शुल्क/अभिदान	-	-
3) संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क	-	-
4) परामर्श शुल्क	-	-
5) अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	**-**	**-**

(राशि रु.में)

अनुसूची 15 - (निधि को अंतरित चिह्नित/धर्मदाय निधि से निवेश पर आय)	चिह्नित निधि से निवेश		निवेश - अन्य	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 **ब्याज**				
क) : सरकारी प्रतिभूति पर	-	-	-	-
ख) : अन्य बांड और डिबेंचर	-	-	-	-
ग) : आवधिक जमा	16378	13918	-	-
2 **लाभांश (डिविडेंड)**	-	-	-	-
क) : शेयर पर	-	-	-	-
ख) : म्युचुअल निधि प्रतिभूति पर	-	-	-	-
3 **किराया**	-	-	-	-
4 **अन्य**	-	-	-	-
कुल	**16378**	**13918**	**-**	**-**
चिह्नित/धर्मदाय निधि में अंतरित (अनुसूची 3 और 9 देखें)	**16378**	**13918**	**-**	**-**

(राशि रु.में)

अनुसूची 16 - रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय,	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) रॉयल्टी से आय	-	-
ख) प्रकाशनों से आय	1382	289
ग) अन्य (स्पष्ट करें)		
कुल	**1382**	**289**

सालार जंग ससंग्रहालय
दि.31 मार्च 2020 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) सावधि निवेश (टर्म डिपाजिट) पर :		
क) अनुसूचित बैंकों से	-	195483
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों से	-	-
ग) संस्थानों से	-	-
घ) अन्य	-	-
2) बचत लेखा पर ;	-	-
क) अनुसूचित बैंकों से	645707	1324276
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों से	-	-
ग) डाक घर बचत लेखा	-	-
घ) अन्य	-	-
3) ऋण पर :	-	-
क) कर्मचारी / कर्मी	978641	1110400
ख) अन्य	-	-
4) विद्युत जमा और देनदार तथा अन्य प्राप्य के ब्याज	139358	490551
कुल	**1763706**	**3120710**

(राशि रु.में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 परिसंपत्तियों की बिक्री / निपटारे से प्राप्त लाभ:		
क) निजी परिसंपत्तियां		..
ख) अनुदान या मुफ्त में अर्जित परिसंपत्तियां		..
2 वसूले गए निर्यात उद्दीपक		..
3 विविध सेवाओं का शुल्क		..
4 विविध आय		
क) सैकल स्टैंड का पट्टा किराया	1756850	1500000
ख) टीएसटीडीसी रेटोरेंट किराया, कमीशन आदि	696823	777864
ग) एचएचईसी से प्राप्त किराया	709200	714000
घ) एटीएम सेंटर के लिए एसबीआई से प्राप्त किराया	180000	195000
च) टीएसटीडीसी सूचना केंद्र से प्राप्त किराया	147033	25560
छ) शॉप, प्रेक्षागृह से प्राप्त किराया	700700	784997
ज) तोलन मशीन से प्राप्तियां	98198	-
झ) फुटकर प्राप्तियां	247265	211267
ट) छुट्टी वेतन और पेंशन अंशदान	..	..
कुल	**4536069**	**4208688**

(राशि रु.में)

अनुसूची 18क -नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	0	0
कुल	**0**	**0**

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2020 को समाप्त अवधि/ वर्ष के लिए आय तथा व्यय की अनुसूची

(राशि रु.में)

	अनुसूची 19 - तैयर माल के स्टाक में वृद्धि/कमी तथा चल रहे कार्य	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	अंतिम स्टॉक (प्रकाशन आदि)	1276371	739061
	- तैयार माल		
	- चल रहे कार्य		
ख)कमी	आरंभिक स्टॉक	739061	757174
	- तैयार माल		
	- चल रहे कार्य		
	निवल वृद्धि (+) / कमी (-)	**537310**	**(-)18113**

(राशि रु.में)

	अनुसूची 20 - स्थापना व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	वेतन तथा मज़दूरी	68319275		69393264
ii)	महंगाई भत्ता	1251000		176360
	कुल (i + ii)		69570275	69569624
ख)	नई पेंशन योजना में जमा की गई राशि		992729	906565
ग)	बोनस		-	-
घ)	भविष्य निधि के लिए अंशदान		-	-
च)	कर्मचारी कल्याण व्यय		-	-
छ)	कर्मचारी सेवानिवृत्ति तथा सेवांत लाभ		7939964	15848396
ज)	पेंशन / परिवार पेंशन भुगतान		40336477	47520697
झ)	शिक्षा शुल्क प्रतिपूर्ति		1145067	1039782
ट)	समयोपरि भत्ता		-	5888
ठ)	यात्रा भत्ता		-	-
ड)	चिकित्सा प्रतिपूर्ति		3045429	2004091
ढ)	छुट्टी यात्रा रियायत		29571	198640
ण)	छुट्टी का नकदीकरण		128623	306259
त)	मानदेय		54000	-
थ)	सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज		-	-
द)	छुट्टी वेतन और पेंशन अंशदान (ज़ेडएओ, सीबीडीटी)		319330	165831
ध)	पेंशनभोगियों को चिकित्सा बीमा		263681	189250
	कुल		**123825146**	**137755023**

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2020 को समाप्त अवधि/ वर्ष के लिए आय तथा व्यय की अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 21- अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क क्रय (प्रकाशनों की छपाई)	538692	-
ख आउटसोर्सिंग और कर्मचारी आकस्मिक मज़दूरी	7709995	-
ग बिजली तथा पॉवर	4870935	7671792
घ जल प्रभार	2986268	3485675
च बीमा	-	-
छ मरम्मत तथा रखरखाव (मजदूरी आदि)		
i भवन & बगीचे	8983279	7029396
ii विध्युत, जेनरेटर & एसी. संयंत्र व लिफ्ट	6697637	5516681
iii दीर्घाएं	-	-
iv डिजिटाईजेशन और फोटो सेक्शन	1203350	1774905
v सांस्कृतिक व सामूहिक शिक्षा	2470026	1613581
vi रसायनिक संरक्षण व परिरक्षण	878605	599281
vii पुस्तकालय	1402653	1055308
viii पांडुलिपि अनुभाग	349104	644013
ix कार्यालय उपकरण	6477543	12387004
x सुरक्षा प्रणाली और उपकरण	6509812	5798426
ज उत्पाद शुल्क	-	-
झ किराया,दर तथा कर	2165406	1915893
ट वाहन,चालन तथा रख-रखाव व्यय	441000	441000
ठ ड़ाक, टेलीफोन तथा संचार प्रभार	253565	262130
ड लेखन सामग्री (टिकटों) का मुद्रण	820848	970668
ढ यात्रा तथा परिवहन व्यय	176776	382003
ण संगोष्ठी / कार्यशालाओं पर व्यय	-	-
त अभिदान (टैगोर फेलोशिप छात्रवृत्ति)	725000	-
थ शुल्क	-	-
द लेखा परीक्षकों का पारिश्रामिक (एजी)	-	-
ध आतिथ्य व्यय	38380	-
न व्यायसायिक प्रभार (आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क)	497000	442500
प अशोध्य तथा संदिग्ध ऋण / अग्रिमों के लिए प्रावधान	-	-
फ अप्राप्य शेष को बट्टे खाते में डालना	-	-
ब विज्ञापन तथा प्रचार-प्रसार	143418	-
भ अन्य (स्पष्ट करें)	-	-
1 वर्दी	-	344769
2 कानूनी व्यय	275215	114890
3 बैंक प्रभार	9450	7660
4 सैनिटेशन / स्वच्छ भारत	225000	300000
5 वीआईपीयों को उपहार (सूची पत्र, प्रतिकृतियां आदी)	-	-
6 विविध व्यय	-	-
कुल	**56848957**	**52757575**

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2020 को समाप्त अवधि/ वर्ष के लिए आय तथा व्यय की अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 21-क - केंऔसुब के भुगतान		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	वेतन एवं भत्ते	85988112	102031086
2	चिकित्सा व्यय	2632245	1778164
3	अन्य व्यय (के.औ सु ब उपकरण का अनुरक्षण)	762284	850576
	कुल	89382641	104659826

(राशि रु.में)

अनुसूची 21-ख - पूर्व अवधि समायोजन		चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
		प्राप्तियां	व्यय	प्राप्तियां	व्यय
1	एनपीएस (श्री चिट्टीबाबु) से प्राप्त राशि			572138	
2	पिछले वर्षों से संबंधित एटीएम किराया			707778	
3	जीपीएफ लेखा पर उपार्जित ब्याज और देय का प्रतिलेखन				3679020
	कुल			1279916	3679020
	शुद्ध समायोजन (प्राप्तियों पर अतिरिक्त व्यय)	-	-		2399104
	कुल (शुद्ध व्यय)				2399104

(राशि रु.में)

अनुसूची 22 - अनुदान , अभिदान आदि पर व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	संस्थान / संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख)	संस्थान / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
	कुल	-	-

नोट- हस्तियों के नाम, उनकी गतिविधियां अनुदान/अभिदान की राशि सहित, विवरण दिया जाए

(राशि रु.में)

अनुसूची 23 - ब्याज भुगतान		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	नियत जमा पर	-	-
2	अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
3	अन्य	-	-
	कुल	-	-

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए लेखाओं की अनुसूची

अनुसूची - 24

लेखाकरण की महत्वपूर्ण नीतियां :

1. सालार जंग संग्रहालय के लेखों का रख-रखाव सालारजंग संग्रहालय अधिनियम 1961 की धारा 21 के अनुसार तथा वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा निर्धारित फार्म में किया जा रहा है. लेखों को प्रोद्भूत आधार पर तैयार किया जाता है तथा भारत के नियंत्रक व महालेखाकार के साथ परामर्श से केंद्र सरकार के द्वारा समय-समय पर जारी निदेशों के अनुरूप किया जाता है. ऐतिहासिक परंपरा लागत के आधार पर वित्तीय विवरणियां तैयार किए जाते हैं.

2. **भारत सरकार से अनुदानों की मान्यता :-**
   अनुदानों को उनकी उपयोगिता/ स्वीकृति के आधार पर राजस्व अनुदान तथा पूंजीगत अनुदान के रूप में मान्यता दी जाती है. जीएफआर के अंतर्गत प्रावधानों के अनुसार वर्ष के लिए पूंजीगत और राजस्व पर व्यय प्राप्ति और भुगतान लेखा में अलग से दर्शाया गया है. अनुदान का लेखाकरण वास्तविक आधार पर किया गया है.

3. **नियत परिसंपत्तियां :-**
   नियत परिसंपत्तियों का मूल्यांकन सभी प्रासंगिक और अधिप्राप्ति संबंधी अन्य सीधे व्यय को सम्मिलित कर, अधिप्राप्ति के लागत पर किया गया है.

4. **मूल्यह्रास :-**
   क) वर्ष 1981-82 से 1999-2000 तक के लिए अनुदान निधि से अधिगृहित परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास का मूल्यांकन नहीं किया गया क्योंकि संग्रहालय एक गैर-वाणिज्यिक संस्था है जिसे केंद्रीय सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त होते हैं तथा परिसंपत्तियों का प्रतिस्थापन भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली नए अनुदान से ही किया जा सकता है. तथापि, मंत्रालय (भारत सरकार) की सूचना के अनुसार कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची XIV के सीधे लाइन पद्धति के अंतर्गत निर्धारित दरों पर लेखा वर्ष 2000-01 से संग्रहालय की परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास उपलब्ध कराया गया है.

   ख) संग्रहालय द्वारा संग्रहित पुस्तकालय की पुस्तकें, पांडुलिपियां, कलाकृतियां, तथा माइक्रोफिल्में आदि और संग्रहालय द्वारा खरीदी गई कलाकृतियों को छोडकर सभी परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास किया जा रहा है.

5. **कलाकृतियों का मूल्य :-**
   उच्च न्यायालय, आंध्र प्रदेश द्वारा सालार जंग इस्टेट से लिए गए कलाकृतियां, सामान व जुड़नार, पुस्तकें , पांडुलिपियां आदि का मूल्य ज्ञात न होने के कारण तुलन-पत्र में उन्हें नहीं दिखाया गया. तथापि, कालांतर में प्राप्त किए गए कलाकृतियों का मूल्य लागत में दिखाया गया है.

6. संग्रहालय के कर्मचारियों के उपदान, छुट्टी नकदीकरण पर व्यय के लिए बही खाते में कोई प्रावधान नहीं किया गया. तथापि इसे नकद आधार पर लेखे में दर्शाया गया.

7. संग्रहालय के कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि लेखा अलग से बनाया रखा जा रहा है तथा इसकी सूची निम्नानुसार है.

अनुसूची – 24 क

लेखों पर टिप्पणीृ-(2019-20)

1. **अनुदानों का पुनर्वैधीकरण :** चालू वर्ष के लिए भारत सरकार द्वारा पुनर्वैधीकरण के लिए,प्रस्तावित खर्च नहीं की गई राशि 142,55,628 रु. है.

2. **मूल्यह्रास :** i) स्थापना के बाद से लगातार चली आ रही नीति के रूप में, चालू वर्ष के दौरान जोड़े गए पर मूल्यह्रास छ:महीनों के लिए उपलब्ध कराया गया. परिसंपत्ति को प्रवर्तन में लाने की तारीख के बावजूद. ii) दि.29.08.2014 के जीएसआर 237(ई) के अनुसार अधिसूचित मूल्यह्रास की संशोधित दर सालार जंग संग्रहालय बोर्ड के अनुमोदन के पश्चात लागू किया जाएगा.

3. **भूमी :** संग्रहालय को दान में दी गई जमीन के मूल्य 8,51,700 रु को तुलन पत्र की अनुसूची- 8 (नियत परिसंपत्तियां) के अंतर्गत दर्शाया गया है 'भूमि' शीर्ष के अंतर्गत दर्शाई गई 17,95,603/- रु की राशि में संग्रहालय द्वारा खरीदी गयी जमीन अधिमापन 10 एकर और 62 गुंटे का मूल्य 9,43,903/- रु शामिल है.

4. **नई पेंशन योजना से संबंधित निधि :**

   i) भारत सरकार ने स्वायत्त निकायों को दिनांक 30.01.2009 के पत्र सं. 1(13) /ईवी/2008 के अंतर्गत जारी किए गए अनुदेशों के प्रतिक्रिया में, सालार जंग संग्रहालय ने दिनांक 06.04.2009 के पत्र सं. एसजेएम /स्थापना/ एनपीएस/ 2009-75 के अंतर्गत नई पेंशन अंशदायी योजना में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी है और इसे 2009-10 से कार्यान्वित किया जा रहा है.

   ii) चालू वर्ष के दौरान नई पेंशन योजना में कर्मचारियों से वसूल की गई राशि रु 9,92,729/- (पिछले वर्ष रु 9,06,565/-) और संग्रहालय द्वारा समान रूप से अभिदान के साथ पेंशन नियामक प्राधिकरण के पास जमा की गई है..

5. **सोलार प़ॉवर प्लांट :**

   क) संग्रहालय द्वारा क्रमश: वर्ष 2017-18 और 2018-19 में स्थापित i) 600 किवॉ और ii) 60 किवॉ सोलार प़ॉवर प्लांट को विद्युत उपकरण के रूप में वर्गीकृत किया गया है और इसके लागू होने की दर पर मूल्यह्रास प्रदान किया जा रहा है..

   ख) गैर-नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार ने सोलार प़ॉवर प्लांट के लिए सहायकी के रूप में (सोलार प़ॉवर प्लांट के प्रॉजेक्ट लागत की 30% राशि) वर्ष 2017-18 और 2018-19 के लिए क्रमश: 600 किवॉ के लिए टीएसआरईडीको के माध्यम से 98,00,330/- रु. तथा 14,82,300/- रु. और 60 किवॉ के लिए प्राप्य राशि 7,35,000/- रु. को संबंधित वर्षों में "पूंजी आरक्षित" के रूप में माना गया है. (अनुसूची-2 देखें) और आरक्षित राशि के भाग को वर्ष के दौरान प्रभारित मूल्यह्रास की राशि (7.07% पर) के अनुरूप 'आय और व्यय' लेखे में स्थानांतरित किया गया है

6. चिह्नित / धर्मदाय निधि पर ब्याज प्रोद्‌भूत को संबंधित निधि लेखा में अंतरित किया गया है.

7. संस्कृतिक मंत्रालय, (भारत सरकार) द्वारा जारी अनुदेशों के अनुसार, आवधि जमा और बचत पर अर्जित ब्याज मंत्रालय / भारत सरकार को देय है. बचत खाते (6,45,707/- रु.) पर वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज अगले वर्ष के लिए बजटीय प्रस्तावों में समायोजित किया गया है. यह राशि वर्ष के लिए अनिर्दिष्ट अनुदान (142,55,628/- रु.) में शामिल है.

8. **जीएसटी**

   (क) केंऔसुब कर्मियों के 'तैनाती की लागत' पर सरकार को दिया गया जीएसटी रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म (RCM) के तहत पहले के वर्षों में वापस दावा किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप सरकार के पास क्रेडिट बैलेंस हो गया है. वर्ष के दौरान किराए आदि पर एकत्रित जीएसटी सरकार के पास क्रेडिट बैलेंस के समायोजन के लिए सरकार को प्रेषित नहीं किया गया है.

   (ख) पट्टा किराए पर अर्जित और दुकानों से देय राशि 2,06,822/- रु. पर होने वाले जीएसटी का दावा किया जा सकता है उपरोक्त को देखते हुए खातों में प्रदान नहीं किए गए हैं.

9. जहां कहीं आवश्यकता हो, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुन: समूहबद्ध, पुन:व्यवस्थित तथा पुन:वर्गीकृत किया गया है.

10. **आंकड़ों को निकटतम रुपयों में पूर्णांकित कर दर्शाया गया है.**

सालार जंग संग्रहालय
31.मार्च, 2020 को समाप्त अवधि के लिए लेखाओं की अनुसूची

अनुसूची - 25

आकस्मिक देयताएं

1. संग्रहालय के विरुद्ध ऋण के रूप में न माने गए दावें

मेसर्स डीजाइन टीम, संग्रहालय के वास्तुशिल्पी ने नए भवन के निर्माण के अतिरिक्त लागत पर अपने शुल्क के रूप में संग्रहालय से 12.86 लाख रु अधिक शुल्क की मांग की है. मध्यस्थ को जिसे पहले यह मामला सौंपा गया था उसने वास्तुशिल्पी को 18.11 लाख रुपए दिए जाने के लिए कहा था. बाद में इसे उच्च न्यायालय, नई दिल्ली में विवाद मामले के विरुध्द याचिका दायर किया गया तथा न्यायालय के अंतिम निर्णय की प्रतीक्षा की जा रही है.

संग्रहालय के 2 नए भवनों के निर्माण का सिविल ठेकेदार, मेसर्स एन.बी.सी.सी ने देय शेष राशि के रूप में 200.00 लाख रु का दावा किया है. मामला न्यायाधीन है.

मेसर्स सॉलमन राजु तथा अन्य ने ठेकेदार द्वारा नियुक्त मज़दूर की मृत्यु के लिए संग्रहालय से 3.80 लाख रु के प्रतिपूर्ति की मांग की.. मामला न्यायाधीन है.

मेसर्स आंध्र कंस्ट्रक्शंस, हैदराबाद द्वारा एक रिट याचिका दायर की गई थी, जिन्होंने पश्चिम ब्लॉक की दूसरी मंजिल के विस्तार के लिए काम को अंजाम दिया गया था, नुकसान और ब्याज के लिए 15,85,000/- रु. का दावा किया गया था और मामला न्यायालय में लंबित है. ठेकेदार ने पहले स्टील के खरीद के बिल के गैर-उत्पादन के लिए अंतिम बिल से संग्रहालय द्वारा 2,65,796/- रु. की राशि वापस लेने के लिए न्यायालय में मामला दायर किया था. न्यायालय ने हालांकि, ठेकेदार को उक्त राशि के भुगतान के लिए निर्णय लिया. रिट याचिका के निटान के लिए, उक्त राशि का भुगतान नहीं किया गया है.

2. आकस्मिक देयताओं के रूप में माने गए अन्य दावों का विवरण

		चालू वर्ष ₹	पिछला वर्ष ₹
क)	संग्रहालय की ओर से बैंक द्वारा खोले गए ऋण पत्र		
ख)	बैंक से रियायत प्राप्त बिल	कुछ नहीं	कुछ नहीं
ग)	आय कर / बिक्री कर के संबंध में विवादित मांगे		
घ)	आदेशों के अनुपालन न करने के लिए पार्टियों द्वारा किए गए दावें लेकिन संग्रहालय द्वारा इसका समर्थन नही किया गया.		

3. पूंजी दायित्व

	चालू वर्ष ₹	पिछला वर्ष ₹
पूंजी लेखा पर पूरा किए जानेवाले ठेकाओं को प्राक्कलित मूल्य जिनका प्रावधान नहीं किया गया तथा उसके लिए उपलब्ध नही किया गया.	कुछ नहीं	कुछ नहीं

4. पट्टे के दायित्व

संयंत्र व मशीनरी के लिए वित्त पट्टा व्यवस्था के अंतर्गत आगे और किराये के दायित्व	कुछ नहीं	कुछ नहीं

5. विदेशी मुद्रा का लेन-देन

क) सीआईएफ आधार पर आयातों के मूल्य की गणना :

- तैयार माल की खरीदी - कच्चा माल & संघटक (पारगमन सहित) - पूंजी माल - भंडार, पुर्जे तथा उपभोज्य वस्तु	कुछ नहीं	कुछ नहीं

ख) विदेशी मुद्रा में व्यय :

- यात्रा - विदेशी मुद्रा में वित्तीय संस्थान / बैंको को दी गई धनवापसी तथा ब्याज - बिक्री पर कमीशन - कानूनी तथा व्यायसायिक व्यय - विविध व्यय	कुछ नहीं	कुछ नहीं

ग) अर्जन - एफओबी के आधार पर निर्यात का मूल्य

6. लेखा परीक्षकों के लिए पारिश्रमिक :

- लेखा परीक्षकों के रूप में / कराधान विषय - प्रबंधन सेवाओं के लिए / प्रमाणीकरण के लिए / अन्य	कुछ नहीं	कुछ नहीं

1 से 25 तक के अनुसूचियों को अनुलग्नक बना कर 31.03.2020 के तुलन-पत्र का अभिन्न अंग बना दिया गया, तथा उस तारीख को आय तथा व्यय लेखा समाप्त हुई है.

सालार जंग संग्रहालय

अनुसूची 11(ख), 7 का अनुलग्नक (2019-2020)

(राशि रु.में)

अनुसूची 11(ख) - ऋण, अग्रिम तथा परिसंपत्तियां
1. बाहरी व्यक्तियों के पास अन्य जमा तथा अग्रिम

विवरण	31-3-2020 को	31-3-2019 को
(क) 1 बल्दिया पेट्रोल सप्लाई, हैदराबाद.	5000	5000
2 कार केर सेंटर, हैदराबाद	3000	3000
3 जूबिली डाक कार्यालय, हैदराबाद	1265	1265
4 दृश्य श्रव्य प्रचार निदेशक, नई दिल्ली	46646	46646
5 तेलंगाना राज्य विद्युत विभाग में प्रतिभूमि जमा	2912847	2912847
क) एल.टी.कनेक्शन		
ख) कर्मचारी क्वार्टर		
ग) एच.टी. कनेक्शन		
घ) अतिरिक्त प्रतिभूमि जमा		
6 सेल फोन जमा	9000	9000
7 विद्युत मीटर जमा	100	100
(ख) केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पास जमा	1236000	1236000
कुल (क + ख)	**4213858**	**4213858**

II. कर्मचारी अग्रिम (अनुसूची 11 ख)

विवरण	अथ शेष	भुगतान	वसूली	इति शेष
1 ग्रह निर्माण अग्रिम	2219170	-	567786	1651384
2 मोटर साईकिल अग्रिम	39992	-	31192	8800
3 कंप्यूटर अग्रिम	324548	-	136648	187900
4 त्योहार अग्रिम	5550	-	2550	3000
कुल (अनुसूची – 11 ख)	**2589260**	**-**	**738176**	**1851084**

अनुसूची – 7 चालू देयता

विवरण	अथ शेष	प्राप्तियां	धन वापसी	इति शेष
बयाना राशि / प्रतिभूति जमा	**6521784**	**954353**	**1108590**	**6367547**

सालार जंग संग्रहालय

2019-20 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि - तुलन पत्र

(राशि रु.में)

पिछला वर्ष	देयताएं	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	परिसंपत्तियां	चालू वर्ष
29578990	वर्ष को समाप्त अभिदान (मार्च 2020 शामिल है)	24416078	28800000	टीडीआर में निवेश (अनु-1 देखें)	11800000
			-	बैंक प्रभार के रूप में सा.सं बोर्ड से प्राप्य राशि	
2926797	उपार्जित ब्याज	2926797	3705787	सामान्य भविष्य निधि नकद पुस्तिका के अनुसार इति शेष	14638487
32505787	**कुल**	**26438487**	**32505787**	**कुल**	**26438487**

वर्ष 2019-20 के लिए प्राप्ति और भुगतान लेखा

पिछला वर्ष	प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष
2407378	अथ शेष	3705787	16178736	आहरण द्वारा (अनुसूची -II देखें)	16391012
11065878	अभिदान (अनुसूची–II देखें)	9340874	22800000	एफडीआर में निवेश	-
24200000	निवेशों से आहरण	17000000	649	बैंक प्रभार	649
5011916	एफडीआर पर प्राप्त ब्याज	983487	3705787	इति शेष द्वारा	14638487
42685172	**कुल**	**31030148**	**42685172**	**कुल**	**31030148**

31.03.2020 को समाप्त सामान्य भविष्य निधि लेखा (ब्रॉडशीट के अनुसार)

(राशि रु.में)

पिछला वर्ष	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	विवरण	चालू वर्ष
32119549	अथ शेष	28737771	16178736	आहरण	16391012
11065878	कुल अभिदान और धन वापसी	9360828			
2572299	उपार्जित ब्याज (अभिदान कर्ताओं के लेखे पर)	1887226	29578990	सा.भ.नि ब्रॉडशीट के अनुसार इति शेष	23594813
45757726	**कुल**	**39985825**	**45757726**	**कुल**	**39985825**

सालार जंग संग्रहालय

अनुसूची - 1

2019–20 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि निवेश

क्रम सं.	एफडीआर सं.	निवेश करने की तारीख	अवधि	ब्याज दर प्रतिशत (%)	राशि रु.में
1	37478239633	18.1.2018	1463 दिन	6.00	50,00,000
2	37478240571	18.1.2018	1463 दिन	6.00	50,00,000
3	37646390106	11.4.2018	4 वर्ष	6.00	18,00,000
			कुल		**1,18,00,000**

अनुसूची - II

वर्ष 2019–20 के दौरान सामान्य भविष्य निधि - जमा तथा आहरण

(भविष्य निधि नकदी पुस्तक के अनुसार)

	भविष्य निधि अभिदान और धन वापसी		भविष्य निधि आहरण	
	नकदी पुस्तक का माह व वर्ष	माह के दौरान अभिदान और धन वापसी	नकदी पुस्तक के अनुसार माह के दौरान भविष्य निधि आहरण	माह के दौरान अभिदाताओं द्वारा आहरित राशि
2019	अप्रैल	8,27,765	अप्रैल	15,64,174
	मई	7,96,341	मई	18,98,185
	जून	7,67,613	जून	11,95,986
	जुलाई	7,45,030	जुलाई	50,80,954
	अगस्त	7,32,201	अगस्त	8,92,593
	सितंबर	7,33,398	सितंबर	4,74,986
	अक्तूबर	7,77,668	अक्तूबर	5,23,588
	नवंबर	7,61,416	नवंबर	6,13,970
	दिसंबर	7,68,990	दिसंबर	3,55,264
2020	जनवरी	7,90,166	जनवरी	7,84,996
	फरवरी	8,19,021	फरवरी	11,30,332
	मार्च	8,21,265	मार्च	18,75,984
नकदी पुस्तक के अनुसार अभिदाताओं का कुल अभिदान और धन वापसी		93,40,874	नकदी पुस्तक के अनुसार कुल आहरण	1,63,91,012

अनुसूची - III
वर्ष 2019–20 के दौरान सामान्य भविष्य निधि - जमा तथा आहरण (ब्रॉडशीट के अनुसार)

	भविष्य निधि अभिदान और धन वापसी		भविष्य निधि आहरण	
	ब्रॉडशीट का माह व वर्ष	माह के दौरान अभिदान और धन वापसी	माह में ब्रॉडशीट में दर्शाए और माह के दौरान भविष्य निधि आहरण	माह के दौरान अभिदाताओं द्वारा आहरित राशि
2019	अप्रैल	8,41,219	अप्रैल	15,64,174
	मई	8,27,765	मई	18,98,185
	जून	7,96,341	जून	11,95,986
	जुलाई	7,67,613	जुलाई	50,80,954
	अगस्त	7,45,030	अगस्त	8,92,593
	सितंबर	7,32,201	सितंबर	4,74,986
	अक्तूबर	7,33,398	अक्तूबर	5,23,588
	नवंबर	7,77,668	नवंबर	6,13,970
	दिसंबर	7,61,416	दिसंबर	3,55,264
2020	जनवरी	7,68,990	जनवरी	7,84,996
	फरवरी	7,90,166	फरवरी	11,30,332
	मार्च	8,19,021	मार्च	18,75,984
भविष्य निधि ब्रॉडशीट के अनुसार अभिदाताओं का कुल अभिदान और धन वापसी		93,60,828	ब्रॉडशीट के अनुसार कुल आहरण	1,63,91,012

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद -500 004

सं.पीडीए(सी)/सीईए/यू.V/एसजेएम/एसएआर.2019-20//2020-21/ **दि.17.03.2021**

सेवा में,

सचिव,
भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय,
सी-विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली -110 001.

महोदय,

विषय:- सालार जंग संग्रहालय (SJM), हैदराबाद के वर्ष 2019-2020 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन.

* * *

सालार जंग संग्रहालय (SJM), हैदराबाद के वर्ष 2019-20 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन, संबंद्ध अनुलग्नक तथा वर्ष 2019-20 के लिए संस्थान के वार्षिक लेखा की एक प्रति के साथ संसद में प्रस्तुत करने के लिए अग्रेषित किया जाता है.

अनुरोध है कि संसद के दोनों सदनों में पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की तारीख सूचित की जाए.

इस पत्र के साथ संबंद्ध अनुलग्नक प्राप्त होने की पावती दी जाए.

भवदीय,

संलग्नक: यथोपरि

हस्ता/-
महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

सं.डीजीए(सी)/सीईए/यू-V/एसजेएम/एसएआर.2019-20//2020-21/84 दि.17.03.2021

प्रतिलिपि :- निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, दारुल शिफा रोड, अफज़लगंज़, हैदराबाद-500 002, वर्ष 2019-2020 के लिए वार्षिक लेखा (अंग्रेजी पाठ) की प्रति के साथ अनुरोध है कि इस कार्यालय को अनुमोदित वार्षिक लेखा 2019-2020 की हिंदी पाठ (2 सेट) भिजवाने की व्यवस्था करे.

संलग्नक: यथोपरि

हस्ता/-
उप निदेशक/कें.व्य.ले.प.

31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के लेखा जोखा पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

हमने सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के संलग्न किए गए दि. 31 मार्च 2019 के तुलनपत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा की भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (ड्यूटी, शक्तियां व सेवा की शर्तें) सालार जंग संग्रहालय अधिनियम, 1961 की धारा 21(2) के साथ पठित अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के अंतर्गत लेखा परीक्षा की है. यह वित्तीय विवरणियां संग्रहालय के प्रबंधन की जिम्मेदारी है. हमारी यह जिम्मेदारी है कि हमारी लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणियों पर हम अपना मत व्यक्त करें.

2. इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा वर्गीकरण, उत्कृष्ट लेखा करण अभ्यास एकाउंटिंग प्रैक्टिस, लेखा करण स्तर और प्रकटन मानदंड आदि के साथ पुष्टिकरण के संबंध में लेखा करण पध्दति पर टिप्पणियां. विधि, नियम व विनियमन (स्वामित्व और निरंतरता) और दक्षता एवं कार्यनिष्पादन पहलु आदि, यदि कोई हो, को निरीक्षण रिपोर्ट/ सीएजी के लेखा परीक्षा रिपोर्ट में अलग से दिखाया जाए.

3. हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा परीक्षा के स्तर में हमारी लेखा परीक्षा आयोजित की है. इस स्तर को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम योजना बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि इन वित्तीय विवरणियों में कोई भी गलतियां नहीं हैं. लेखा परीक्षा का अर्थ है परीक्षण के आधार पर राशि के समर्थन में साक्ष्य और वित्तीय विवरणियो में प्रकटन की जांच करना, लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा बनाए गए महत्वपूर्ण आकलनों का निर्धारण तथा वित्तीय विवरणियों का समस्त प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल है. हमें विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारा मत सिद्ध करने के लिए एक उचित आधार है.

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं कि:

I. हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त की है, जो हमारी जानकारी के अनुसार हमारे लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिए आवश्यक है.

ii. इस प्रतिवेदन में दिए गए तुलनपत्र और आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित फार्मेट के आधार पर आहरित किया गया है.

iii. हमारा मत है कि लेखे के लिए आवश्यक उचित पुस्तकों और अन्य संबंधित रिकार्डों को सालार ज़ंग संग्रहालय द्वारा यथा आवश्यक अनुरक्षित किया गया है, जैसा कि हमारे द्वारा ऐसे पुस्तकों के किए गए परीक्षण से पता चलता है.

iv. इसके अतिरिक्त हम यह सूचित करते हैं कि

क. तुलन पत्र

क.1 देयताएं

क.1.1 चालू देयताएं और प्रावधान – ₹ 2.20 करोड

क.1.1.1 इसमें मार्च, 2020 के अंत में उपलब्ध ₹ 3,01,36,167 (₹ 3,06,25,881 – ₹ 4,89,714) के जीएसटी का निवल जमा शेष शामिल नहीं है. इसके परिणामी चालू देयताओं और प्रावधानों में - ₹ 3.01 करोड की न्यूनोक्ति हुई है और उस सीमा तक चालू परिसंपत्तियों, ऋणों तथा अग्रिमों की तदनरूपी न्यूनोक्ति हुई है.

ख . सामान्य

1. महत्वपूर्ण लेखा नीति (अनुसूची-24) के क्रम सं.4 के अनुसार, संग्रहालय सीधी पद्धति पर कंपनी अधिनियम 1956 के अनुसूची-XIV के अंतर्गत निर्धारित दरों पर परिसंपत्तियों पर मूलयह्रास प्रदान करता है. आगे लेखा पर टिप्पणी (अनुसूची-24 क) के क्रम सं.2 के अनुसार, चालू वर्ष के दौरान अतिरिक्त पर मूलयह्रास आधे वर्ष के लिए दिया गया. संग्रहालय की “मूलयह्रास नीति” वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित एकरूपता प्रारूप के अनुसार

नहीं है, जिसके अनुसार आय कर अधिनियम-1961 में निर्धारित दरों के अनुसार मूल्यह्रास प्रभारित किया जाना है और नियत परिसंपत्तियों से कटौतियों के अतिरिक्त के संबंध में वर्ष के दौरान मूल्यह्रास को समानुपातिक आधार पर विचार किया जा रहा है. इसके अलावा कंपनी अधिनियम, 1956 में सूचीबद्ध मूल्यह्रास दरें अब कंपनी अधिनियम, 2013 के अधिनियमों के साथ अस्तित्व में नहीं हैं.

2. बचत और चालू खातों के लिए पृथक नकदी पुस्तकें अनुरक्षित नहीं की गई है.

3. संग्रहालय द्वारा लेखा के एकरूपता प्रारूप में निर्धारित अनुसार सेवानिवृत्ति के लाभ का प्रावधान बीमांकक मुल्यांकन के अनुसार नहीं किया गया.

4. दीर्घाओं और आरक्षित वस्तुओं में प्रदर्शित कलाकृतियों की संख्या का खुलासा खातों में नहीं किया गया.

5. वर्ष 2018-19 की वार्षिक रिपोर्ट और परीक्षित लेखा संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए मंत्रालय को नहीं भेजा गया.

ग. सहायता अनुदानः

वर्ष के दौरान प्राप्त ₹ 27.30 करोड़ रुपये* अनुदान तथा ₹ 3.16 करोड़ रुपये आंतरिक प्राप्तियों और ₹ 0.15 करोड़ रुपये अत:शेष सहित कुल ₹ 30.61 करोड़ रुपये सहायता अनुदान प्राप्त हुआ, संग्रहालय ने 31 मार्च 2020 तक शेष ₹ 1.42 करोड़ रुपये छोडते हुए कुल ₹ 29.19 करोड़ रुपये** का अनुदान उपयोग किया.

घ. प्रबंधन का पत्र

कमियां जिन्हें पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं किया गया था, उसे, उस पर निवारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए अलग से प्रबंधन के पत्र के माध्यम से निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के सूचना में लाया गया.

iv. इससे पूर्व पैरा में हमारी टिप्पणी के बावजूद हम यह सूचित करते हैं कि, इस प्रतिवेदन में दिए गए तुलनपत्र और आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा बही खाते के करार के अनुसार है.

v. हमारी राय में तथा हमारी जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, लेखा नीतियों तथा लेखा पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जानेवाले उक्त विवरण, और ऊपर बताई गई महत्वपूर्ण बातें और इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य बातों से भारत में सामान्य रूप से स्वीकार किए जानेवाले लेखा सिद्धांतों का सही दृश्य प्रतीत होता है.

क. दि. 31 मार्च 2020 को सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद के कार्य-कलाप के मामलों से संबंधित तुलनपत्र और

ख. उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए घाटे से संबंधित आय व खर्च लेखा.

हस्ता/-
महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

---

* (i) योजना (सामान्य): ₹ 12.25 करोड (ii) योजना (पूंजीगत परिसंपत्तियां) : ₹ 2.00 करोड और (iii) गैर-योजना (वेतन): ₹ 12.96 करोड (iv) स्वच्छ भारत ₹ 2.25 लाख (₹ 0.02 करोड) और (v) सोलार पॉवर प्लांट के लिए गैर नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) से सब्सिडी के रूप में प्राप्त ₹ 0.07 करोड (₹ 7.35 लाख)

** (i) राजस्व खर्च : ₹ 27.19 करोड (ii) वर्ष के दौरान नियत परिसंपत्तियों के अधिग्रहण का खर्च: ₹ 2.00 करोड

अनुलग्नक

1. **आंतरिक लेखापरीक्षा पद्धति की पर्याप्तता :**

वर्ष 2019-20 के लिए सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद की आंतरिक लेखापरीक्षा भारतीय लोक लेखापरीक्षक संस्थान, हैदराबाद शाखा द्वारा केवल 01.10.2019 तक ही की गई है. 01.10.2019 से 31.03.2020 तक की अवधि के लिए आंतरिक लेखापरीक्षा आयोजत नहीं की गई और 01.04.2019 से 30.09.2019 तक की अवधि के लिए आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट लेखापरीक्षा के लिए प्रस्तुत नहीं की गई.

2. **आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता :**

आंतरिक नियंत्रण पद्धति अपर्याप्त है. जीपीएफ खातों के लिए आय और व्यय के विवरण अनुरक्षित करने की आवश्यकता हैं. आयु वार विश्लेषण से संबंधित रिकॉड तथा बयाना राशि और प्रतिभूति जमा के विवरण अनुरक्षित करने की आवश्यकता हैं.

3. **नियत परिसंपत्ति की वास्तविक जांच की पद्धति :**

वर्ष 2019-20 के लिए नियत परिसंपत्ति की वास्तविकता की जांच पूर्ण की गई,

4. **वस्तुसूचियों की वास्तविक जांच की पद्धति :**

वर्ष 2019-20 के लिए वस्तुसूचियों की वास्तविकता की जांच पूर्ण की गई,

5. **संवैधानिक देयता के भुगतान में नियमितता :**

यह संगठन संवैधानिक देयता का नियमित रूप से भुगतान करता है.

हस्ता/-

उप निदेशक/कें.व्य.ले.प.

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेज़ी में लिखित पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेज़ी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।